दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 48
मुरादाबाद
08 June 2025
(Sunday)
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

प्राकृतिक आपदाएं जीवन और संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा रहीं, वैश्विक सम्मेलन में बोले पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दीं ईद-उल-अजहा की शुभकामनाएं

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को ईद-उल-अजहा के अवसर पर लोगों को बधाई दी। उन्होंने एक्स पर लिखा कि ईद उल-अजहा की हार्दिक शुभकामनाएं। यह अवसर सद्भाव को प्रेरित करे और हमारे समाज में शांति के ताने-बाने को मजबूत करे। सभी के अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना करता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि %तटीय इलाके और द्वीप प्राकृतिक आपदा के लिए बेहद संवेदनशील हैं। दुनियाभर में हाल के दिनों में टाइफून और चक्रवाती तूफान आए हैं। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आपदा

रोधी अवसंरचना 2025 (International Conference on Disaster Resilient Infrastructure 2025) को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह सम्मेलन पहली बार यूरोप में हो रहा है। मैं फ्रांस के राष्ट्रपति और फ्रांस की सरकार को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। साथ ही मैं आगामी संयुक्त राष्ट्र समुद्री सम्मेलन के लिए भी अपनी शुभकामनाएं देता हूं। छोटे समुद्री देशों पर ध्यान देने की जरूरत प्रधानमंत्री ने कहा कि मुझे खुशी है कि अफ्रीकी संघ भी आपदा रोधी अवसंरचना सम्मेलन में शामिल हुआ है। हमें ऐसे कार्यक्रम डिजाइन करने चाहिए, जिन पर कार्रवाई हो सके और यह विकासशील देशों को वित्तीय मदद मिलना सुनिश्चित हो सके। छोटे समुद्री देशों पर विशेष ध्यान दिए जाने की जरूरत है। चेतावनी सिस्टम को मजबूत करने और समन्वय स्थापित करना अहम है। इससे समय पर फैसले लेने में मदद मिलेगी। मुझे उम्मीद है कि सम्मेलन में इस मुद्दे पर भी चर्चा होगी। पीएम मोदी ने कहा कि तटीय इलाके और द्वीप प्राकृतिक आपदा के लिए बेहद संवेदनशील हैं। दुनियाभर में हाल के दिनों में टाइफून और चक्रवाती तूफान आए हैं। इनमें भारत और बांग्लादेश के चक्रवाती तूफान, कैरेबियाई देशों में तूफान, दक्षिण पूर्व एशिया में आया टाइफून यागी, अमेरिका में आया तूफान हेलेन और फिलीपिंस और पेराग्वे के चक्रवाती तूफान शामिल हैं। ऐसी आपदाएं जीवन और संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाती हैं। बढ़ता तापमान वैश्विक खतरा प्रधानमंत्री मोदी के मुख्य सचिव डॉ. पीके मिश्रा ने जिनेवा में बढ़ते तापमान के खतरों पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि बढ़ता तापमान एक वैश्विक संकट बन गया है और इससे निपटने के लिए तुरंत कदम उठाने जरूरी हैं। शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में पीके मिश्रा ने कहा कि लगातार बढ़ रहा तापमान सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर रहा है। इससे आर्थिक स्थिरता, पर्यावरण रोधी व्यवस्था पर संकट बढ़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र के ह्यष्ठक्रक द्वारा शुरू की गई पहल कॉमन फ्रेमवर्क फॉर एक्सट्रीम हीट रिस्क गवर्नेंस को बेहतर बनाने और इस पर दिशा-निर्देश, सहयोग और एक दूसरे से सीख लेने की पहल का स्वागत किया।

लखनऊ में अदा की गई बकरीद की नमाज, ईदगाह पहुंचे भाजपा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा, बोले- एकता में ही सबका भला

ईद उज अजहा का त्यौहार है। तमाम ईदगाह और मस्जिदों में मुस्लिम समाज के लोग नमाज अदा कर रहे हैं। इस दौरान प्रशासन पूरी तरह चाक चौबंद नजर आ रहा है। ईद उल अजहा का त्यौहार है। तमाम ईदगाह और मस्जिदों में अकीदत की नमाज अदा की जा रही है। कुर्बानी के जज्बे के साथ मुसलमान अल्लाह की बारगह में सजदा कर हजरत इब्राहिम अलै. की उस अजीम कुर्बानी को याद कर रहे हैं, जो उन्होंने अपने रब के हुक्म से पेश की थी। इस दौरान सुरक्षा के लिए चाक चौबंद प्रबंध किए गए हैं। ड्रोन कैमरों से निगरानी की जा रही है। लखनऊ में टीले वाली मस्जिद और ऐशबाग ईदगाह में बकरीद की नमाज अदा की गई।ईदगाह के इमाम मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने नमाज पढ़ाई। शिया समुदाय की सबसे बड़ी जमात आसिफी मस्जिद में अदा की गई। यहां पर मौलाना सरताज हैदर की इमामत में ईद-उल-अजहा की नमाज अदा करवाई। टीले वाली मस्जिद में सुबह 9 बजे मस्जिद के इमाम मौलाना फजलुल मन्नान रहमानी नमाज अदा करवाई। हालांकि, यूपी के अलग-अलग जिलों में नमाज पढ़ने का सिलसिला सुबह से ही शुरू हो गया। इस मौके पर ऐशबाग ईदगाह पहुंचे यूपी के पूर्व उप मुख्यमंत्री व वर्तमान राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि ऐशबाग में ही विशाल रामलीला का प्रांगण है और ईदगाह भी है। यहां से देश की एकता का संदेश जाता है। ईद का पर्व होता है तो हिंदू लोग मिलकर मनाते हैं। वहीं, रामलीला होती है तो मुस्लिम समाज के लोग भी शामिल होते हैं। यही हमारे देश की आवश्कता है। इसी में सबका भला है। वहीं, मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा कि ईद-उल-अजहा खुदा के दो पैगंबर हजरत इब्राहिम अलै. और उनके बेटे हजरत इस्माईल अलै. की यादगार है। मस्जिद सुव्हानिया के इमाम कारी मोहम्मद सिद्दीक ने कहा कि कुर्बानी करने का बहुत बड़ा सवाब है। वहीं, कुर्बान न करने पर नाराजगी का इजहार भी है। हजरत मोहम्मद साहब ने फरमाया है कि हैसियत रखने के बावजूद कुर्बान न करने वाले मेरी ईदगाह में न आएं। नमाज के दौरान सुरक्षा के लिए शहर को पांच जोन व 18 सेक्टर में बांटा गया बकरीद की नमाज के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। 94 ईदगाह और 1200 से ज्यादा मस्जिदों में नमाज के दौरान ड्रोन से निगरानी की जा रही है। पुलिस आयुक्त ने इस संबंध में मातहतों को दिशा निर्देश जारी किए हैं। पुराने लखनऊ में शुक्रवार को संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था बबलू कुमार ने डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव के साथ रूट मार्च किया। मध्य जोन में भी पुलिस रूट मार्च कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। नमाज के दौरान सुरक्षा के लिए शहर को पांच जोन व 18 सेक्टर में बांटा गया है।

संक्षिप्त समाचार

सीएम भूपेंद्र पटेल ने राजकोट को दी 557 करोड़ की सौगात; विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार को राजकोट में 343.39 करोड़ रुपये की लागत के 13 विकास कार्यों का लोकार्पण और 213.79 करोड़ रुपये की लागत के 28 विकास कार्यों का शिलान्यास कर शहर और जिले को 557.18 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की भेंट दी।मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने स्वामी ऑडिटोरियम में नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि शहरी विकास वर्ष के अंतर्गत राजकोट शहर और जिले में बहुत अच्छे विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि आज जिन विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया जाएगा, उनसे राजकोट शहर और जिले के नागरिकों की ईज ऑफ लिविंग बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने पिछले दो दशकों की राजकोट की विकास यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले 20 वर्षों में अटल सरोवर, एम्स, अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, विभिन्न फ्लाईओवर सहित विभिन्न विकास परियोजनाओं के माध्यम से राजकोट की भी कायापलट हुई है और शहर के निवासियों की खुशहाली बढ़ी है। विकास कार्य, राज्य सरकार की शहरजनों की सुगमता और खुशहाली बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।मुख्यमंत्री ने छत्रपति शिवाजी महाराज के 352वें राज्याभिषेक दिवस का उल्लेख करते हुए कहा कि शिवाजी महाराज ने सुशासन की स्थापना की थी।

आतंकवाद के खिलाफ हमारी जीरो टोलेरेंस नीति, हमारे सहयोगी इसे समझें, विदेश मंत्री जयशंकर का बयान

जयशंकर ने हाल ही में अंतिम रूप दिए गए भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते को %असल मायनों में एक मील का पत्थर% बताया।

भारत ने बैठक के दौरान भी पाकिस्तान से सीमा पार आतंकवाद का मुद्दा उठाया।भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने शनिवार को नई दिल्ली में ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी से मुलाकात की। डेविड लैमी अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत दौरे पर आए हैं। बैठक के दौरान डॉ. जयशंकर ने कहा कि भारत की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टोलेरेंस की नीति है और हम उम्मीद करते हैं कि हमारे सहयोगी इस बात को समझें। भारतीय विदेश मंत्री ने पहलगाम आतंकी हमले निंदा करने और आतंकवाद के खिलाफ समर्थन के लिए भी ब्रिटिश सराकर को धन्यवाद दिया।

आतंकवाद के खिलाफ जीरो टोलेरेंस की नीति ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी दो दिवसीय भारत दौरे पर शनिवार सुबह नई दिल्ली पहुंचे। लैमी के दौरे में दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा की जाएगी। एस. जयशंकर ने कहा कि, %हम आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हैं और उम्मीद करते हैं कि हमारे सहयोगी देश इसे समझेंगे। हम कभी भी बुराई करने वालों को उनके पीड़ितों के बराबर नहीं रखेंगे। जयशंकर ने हाल ही में अंतिम रूप दिए गए भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते को %असल मायनों में एक मील का पत्थर% बताया। भारत ने बैठक के दौरान भी पाकिस्तान से सीमा पार आतंकवाद का मुद्दा उठाया।ब्रिटेन ने किया था संघर्ष विराम समझौते का समर्थन ब्रिटेन उन देशों में शामिल था, जो पिछले महीने अपने सैन्य संघर्ष के दौरान अपने तनाव को कम करने के प्रयास में भारत और पाकिस्तान दोनों के संपर्क में थे। लैमी ने 16 मई से इस्लामाबाद की दो दिवसीय यात्रा की, जिसके दौरान उन्होंने सैन्य कार्रवाइयों को रोकने के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच 10 मई को हुए संघर्ष विराम समझौते का स्वागत किया। भारत दौरे से पहले डेविड लैमी ने पाकिस्तान का भी दो दिवसीय दौरा किया और उन्होंने भारत पाकिस्तान के बीच 10 मई को हुए संघर्षविराम को जारी रखने की अपील की।

इंदौर दंपती केसः CM मोहन यादव ने गृहमंत्री से CBI जांच की मांग की, बोले- पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है प्रदेश

ईद उज अजहा का त्यौहार है। तमाम ईदगाह और मस्जिदों में मुस्लिम समाज के लोग नमाज अदा कर रहे हैं। इस दौरान प्रशासन पूरी तरह चाक चौबंद नजर आ रहा है। ईद उल अजहा का त्यौहार है। तमाम ईदगाह और मस्जिदों में अकीदत की नमाज अदा की जा रही है। कुर्बानी के जज्बे के साथ मुसलमान अल्लाह की बारगह में सजदा कर हजरत इब्राहिम अलै. की उस अजीम कुर्बानी को याद कर रहे हैं, जो उन्होंने अपने रब के हुक्म से पेश की थी। इस दौरान सुरक्षा के लिए चाक चौबंद प्रबंध किए गए हैं। ड्रोन कैमरों से निगरानी की जा रही है। लखनऊ में टीले वाली मस्जिद और ऐशबाग ईदगाह में बकरीद की नमाज अदा की गई।ईदगाह के इमाम मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने नमाज पढ़ाई। शिया समुदाय की सबसे बड़ी जमात आसिफी मस्जिद में अदा की गई। यहां पर मौलाना सरताज हैदर की इमामत में ईद-उल-अजहा की नमाज अदा करवाई। टीले वाली मस्जिद में सुबह 9 बजे मस्जिद के इमाम मौलाना फजलुल मन्नान रहमानी नमाज अदा करवाई। हालांकि, यूपी के अलग-अलग जिलों में नमाज पढ़ने का सिलसिला सुबह से ही शुरू हो गया। इस मौके पर ऐशबाग ईदगाह पहुंचे यूपी के पूर्व उप मुख्यमंत्री व वर्तमान राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि ऐशबाग में ही विशाल रामलीला का प्रांगण है और ईदगाह भी है। यहां से देश की एकता का संदेश जाता है। ईद का पर्व होता है तो हिंदू लोग मिलकर मनाते हैं। वहीं, रामलीला होती है तो मुस्लिम समाज के लोग भी शामिल होते हैं। यही हमारे देश की आवश्कता है। इसी में सबका भला है। वहीं, मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा कि ईद-उल-अजहा खुदा के दो पैगंबर हजरत इब्राहिम अलै. और उनके बेटे हजरत इस्माईल अलै. की यादगार है। मस्जिद सुव्हानिया के इमाम कारी मोहम्मद सिद्दीक ने कहा कि कुर्बानी करने का बहुत बड़ा सवाब है। वहीं, कुर्बान न करने पर नाराजगी का इजहार भी है। हजरत मोहम्मद साहब ने फरमाया है कि हैसियत रखने के बावजूद कुर्बान न करने वाले मेरी ईदगाह में न आएं। नमाज के दौरान सुरक्षा के लिए शहर को पांच जोन व 18 सेक्टर में बांटा गया बकरीद की नमाज के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। 94 ईदगाह और 1200 से ज्यादा मस्जिदों में नमाज के दौरान ड्रोन से निगरानी की जा रही है। पुलिस आयुक्त ने इस संबंध में मातहतों को दिशा निर्देश जारी किए हैं। पुराने लखनऊ में शुक्रवार को संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था बबलू कुमार ने डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव के साथ रूट मार्च किया। मध्य जोन में भी पुलिस रूट मार्च कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। नमाज के दौरान सुरक्षा के लिए शहर को पांच जोन व 18 सेक्टर में बांटा गया है।

महाराष्ट्र चुनाव पर राहुल गांधी ने फिर उठाए सवाल; कहा- भाजपा ने मैच फिक्सिंग की तरह धांधली की

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर राहुल गांधी लगातार भाजपा को घेर रहे हैं। अब उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने चुनाव में बड़ी धांधली की। यह धांधली अगली बार बिहार में होगी और फिर वहां जहां भाजपा हार रही होगी।कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया है कि चुनाव में उसने मैच फिक्सिंग की तरह से धांधली की। एक अखबार में प्रकाशित लेख साझा करते हुए राहुल गांधी ने चुनाव को प्रभावित करने के पांच चरणों का जिक्र किया है। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि चुनाव कैसे चुराया जाए? 2024 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लोकतंत्र में धांधली करने का ब्लूप्रिंट था। मेरा लेख दिखाता है कि यह कैसे हुआ? अपने लेख के साथ पांच चरणों को उन्होंने साझा किया। राहुल गांधी ने लिखा कि पहला चरण - चुनाव आयोग की नियुक्ति के लिए पैनल में धांधली करना, दूसरा चरण- फर्जी मतदाताओं को मतदाता सूची में जोड़ना, तीसरा चरण- मतदान प्रतिशत को बढ़ाना, चौथा चरण - फर्जी मतदान को ठीक वहीं लक्षित करें जहां भाजपा को जीतना है और पांचवां चरण सबूत छिपाना।राहुल गांधी ने कहा कि यह देखना मुश्किल नहीं हैं इतनी हताश क्यों थी?

संपादकीय Editorial

Guarantee of slip fee

Himachal Pradesh has received praise from Himcare, and to increase its longevity, the budgetary cells of the government need new energy. However, Rs 43.19 crore has been released from the amount of pending Himcare payments of three big hospitals. This means that the slips on which Himcare's text was written will get some relief from this payment. Himcare could have become a good story of a good scheme, provided there was an honest eye on the implementation method. The expenditure of any government money should be within the limits of the respect of the budget, but in the use of 'Himcare', neither the definition nor its utility was properly managed, as a result, the medical arms have to bear a mountain of payment. However, even a small gift of Himcare's payment will support the financial documents of TMC and IGMC, but now the challenge is to make the entire medical system self-reliant and to polish its ability. In such a situation, if the fee for making a slip in a government hospital is being fixed at Rs 10, then it is a right step. Now there can be a debate on whether the slip fee should be ten or twenty to fifty rupees. People are now looking at treatment in terms of quality. If even on a prescription of ten rupees, the patient has to be referred to the next hospital, then what is the point of all this. It is surprising when regional or zonal hospitals send their patients to nearby medical colleges instead of providing them basic treatment. In such a situation, there should be a guarantee letter for medical services as per the ranking of the hospitals. If a prescription of a dispensary is ten rupees, of a civil hospital twenty, of a regional thirty rupees, of a zonal fifty rupees, then that of a medical college should be made hundred rupees, but there should also be a guarantee for the prescription fee. The standards of hospitals at every level should be ensured for identification and treatment of the disease. If at the time of labor pain, the Zonal Hospital sends the patient to Tanda when the bed of Dharamshala is vacant, then this will not be a prescription but a fraud. If in district level hospitals, patients have to pay ten to fifty rupees for a prescription as a certificate of complete treatment, then the people of Himachal will put their faith in government institutions, otherwise what is the use of medical colleges. If the referral comments on the slips of Himachal Medical Colleges every day will save lives, then what difference does it make? People are ready to pay slip fees, increased cost of tests and charges for other facilities in support of the government, provided medical facilities become a guarantee of life safety. Today, there are dozens of such hospitals working under the private sector in Himachal, where people are coming even after spending more with the belief that at least every possible effort will be made to save lives there. On the other hand, when hands are folded in government institutions to save lives, the advice is to go to some outside hospital for better treatment. In such a situation, Himachal will have to put its hospitals in different categories and determine slip fees and other charges. As an experiment, separate superspeciality wings should be opened in some of its major hospitals by entering into a contract with a big medical chain. In this way, health care units like Apollo, Fortis, Max, Aster, Manipal, Paras and Medanta can be established in the big cities of entire Himachal.

India should be cautious about Trump's tariff policy, deep deliberation will have to be done before moving forward on the agreement

The truth is that Trump's tariff policy will harm America and prepare the basis for giving an edge to its main rival China. In the pursuit of giving relief to his citizens from income tax, Trump is taking the risk of making them addicted to cheap Chinese goods. His tariff policy is no less than a strong message for America's trade partners. America is counted among those countries which operate from a well-organized structure. President Donald Trump is creating a stir in this structure with his unexpected policies. A big stir has been created due to his tariff policy and its effect is all over the world. He is dreaming of tightening the noose on other countries and filling the American treasury with his tariff policy. He announced the tariff with great fanfare and called it 'Liberation Day' in American history. However, his dream seems to be shattering through the American system itself. His tariff policy is being challenged on all fronts, legal, economic and diplomatic. The tariff policy advocated by the Trump administration citing national emergency was termed by the US Federal Court as a violation of the President's authority. The court said that without the supervision of Congress, the executive cannot get the right to use the International Emergency Economic Powers Act to take arbitrary decisions regarding tariff. Although the court has temporarily stayed Trump's policy and further hearing will continue in this matter, but its effects on the global trade system are beginning to be seen. This matter related to the legal front is a half-baked story of the tariff policy. Trump's view on trade is full of inconsistencies. He is looking at tariff as an inexhaustible fund due to which people can be freed from income tax and the American economy can be transformed. His illusion is breaking on the ground of reality. Trump's concept of filling the government treasury through tariff is being shattered not only by the courts but also on the basis of general economic principles. In fact, Trump has started following his first term's path as soon as he returned to power. Using tariff as a weapon, using emergency powers and bypassing the parliament are at the core of his working style. As soon as he took over as the President, his administration imposed arbitrary tariffs and said that its purpose was to protect domestic industries and improve the health of the government treasury, but the court created an obstacle in his path. The court said that emergency powers cannot be used as a shield for arbitrary economic decisions. The court has worked to balance the imbalance created between the legislature and the executive due to Trump's tariff policy, but this is not just a domestic legal issue of America. Due to this, uncertainty has increased for all those countries from Britain to India, which are engaged in trade agreement talks with America. If the tariff policy is made as per President Trump's wish and the court rejects it, then how can stable and long-term trade agreements be reached? By the way, this legal setback for Trump is looking equally strong on the economic front as well. Trump is reiterating that Americans earning less than two lakh dollars will not have to pay income tax. For this, he is eyeing the earnings of foreigners. In 2024, the US government earned revenue of 4.9 trillion dollars. Out of this, only 100 billion dollars was received from import duty. If we assume an increase of 47 billion dollars in this collection by May this year, then this too will be marginal. Trump's advisor Peter Navarro suggests that imposing a 20 percent tariff on all imports can generate revenue of 600 billion dollars annually. This estimate also does not stand up to basic mathematics. After all, a base is also needed to sustain a high tariff. When tariffs increase, the demand for imports normally decreases and in response to this, there is a possibility of more loss than the benefit. The Penn Wharton Budget Model has given a very practical figure of 290 billion dollars annually regarding this loss. The Tax Foundation has estimated about 140 billion dollars. All these estimates fall far short of Trump's dream of income tax relief, which will cost $740 billion to fulfill in 2025 alone. The truth is that Trump's tariff policy will harm America and lay the ground for its main rival China to gain an edge. In the name of giving income tax relief to his citizens, Trump is taking the risk of making them addicted to cheap Chinese goods. His tariff policy is no less than a strong message for America's trade partners. The deal with Britain regarding steel and aluminum almost fell apart. Japan, Canada and the European Union are also trying to assess how much strength Trump's tactics regarding tariffs have. This is a delicate time for India as well. New Delhi is moving cautiously with Washington regarding economic and technical relations. It is the need of the hour that if any agreement is being made with America keeping Trump's tariff policy in mind, then it should be thought over deeply, because such an agreement can be risky. India will have to guarantee not only economic concessions but also legal certainty. Keep in mind that strategic patience is not an advantage Yes, but it is an important aspect. It seems that the countries engaged in trade talks with the US will get some relief due to judicial intervention. It is clear from the court's stance that the US trade policy is not outside the scope of judicial monitoring. Economic data also confirms that it is not possible to run a modern welfare state on the basis of tariffs.

Educational institutions struggling with shortage of teachers, shortage of teachers should be removed soon

India's share in the global population is 17 percent. Despite this, India's share in foreign students coming for higher education is just one percent. To strengthen the education budget, the Government of India implemented a two percent education cess in 2004. From 2019, this education cess was replaced by four percent education and health cess. When we talk about becoming a world leader, we also discuss the role of educational institutions, but at present our ten central universities are waiting for regular vice-chancellors. In this, the post of vice-chancellor is vacant in BHU for six months and in IGNOU for one year. Last month, after almost a year, the Ministry of Education appointed vice-chancellors in four central universities - BBAU Lucknow, EFLU Hyderabad, Pondicherry and Wardha Hindi University. The vice-chancellor was appointed in Vishwabharati University after two years. About 30 percent of the posts of vice-chancellors are vacant in state universities. Delay in appointments disrupts both academic and administrative work. Leaving important posts vacant indefinitely is detrimental to the development of these institutions. Lack of teachers has also become a major problem for universities already struggling with lack of facilities like libraries and laboratories. In the last session of Parliament, Minister of State for Education Sukanta Majumdar had said that as of January 31, 2025, more than 5,410 teaching posts are vacant in universities. A recent report of NITI Aayog shows that more than 40 percent of teaching posts are vacant in state universities. New knowledge centers are opening across the country, but there is a shortage of teachers in them.

Due to shortage of teachers, academic sessions are not being completed on time. In the case of filling vacant posts of teachers, it cannot be said that there are no qualified teachers. The number of ad-hoc appointed teachers is continuously increasing from primary level to university. The ill effects of ad-hoc appointments are not only immediate. The appointment of a teacher affects generations. To what extent is it right to leave knowledge centers in the hands of such ad-hoc teachers who are more concerned about their tomorrow? In most places, they are given limited or negligible facilities compared to permanent teachers. As of May 2024, India's gross enrollment ratio in higher education was 28.4 percent, with more than 43 million students enrolled in about 1,200 institutions. This figure is well below the current global average of 36.7 percent.

None of India's educational institutions are even among the top 200 institutions in the world. A large number of students are leaving the country in search of better opportunities abroad. According to the Ministry of Education, about nine lakh students went abroad for higher education last year. These students spent Rs 5.1 lakh crore on pursuing education abroad. This money is 10 times more than the annual budget (Rs 44,090 crore) allocated by the Central Government for higher education in the financial year 2023-24. India's share in the global population is 17 percent. Despite this, India's share in foreign students coming for higher education is just one percent. To strengthen the education budget, the Government of India introduced a two percent education cess in 2004. From 2019, this education cess was replaced by a four percent education and health cess. This cess is not a permanent source of revenue for the government, yet it has funded 70 percent of total education expenditure since 2015. This means that cess has become a regular way of funding education. Our state universities are plagued by ever-decreasing funding, resulting in a decline in infrastructure and academic standards. Their funding model is highly dependent on student fees.

Due to this, quality education is constantly being denied to many students. The problems of the education sector must be addressed on a priority basis, as education is the cornerstone of the country's economic development. For this, emphasis has to be laid on entrepreneurship education and students have to be made so competent that when they leave schools/colleges, they can take the country forward. The recommendations made by Prof. Yashpal Committee in 2009 are also relevant, in which he recommended allocating more funds for higher education and strict regulation and monitoring of private bodies. Next month, the new National Education Policy will complete five years of implementation. It is difficult to implement the recommendations of the National Education Policy across the country without additional fund allocation. Ambitious programs like Digital India, Make in India and Skill India will be successful only when the money from various 'Rewadi Schemes' is invested in the field of education and research. For a developed India, it is necessary to have a strong foundation for the quality of education. Along with adapting Indian education to the contemporary world, the shortage of teachers in educational institutions should be removed soon.

दो बच्चों की मां की जिद्द: प्रेमी से शादी कराओ नहीं तो इसको भेजो जेल, पुलिस भी दिखी बेबस; कर दी इच्छा पूरी

प्रेमी ने कहा कि मैं महिला को अपने साथ नहीं रखूंगा। मुझे जेल भेज दो। जब बात नहीं बनी तो पुलिस ने महिला के शिकायती पत्र पर प्रेमी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया है। मुरादाबाद स्थित पाकबड़ा नगर के मुहल्ले की रहने वाली दो बच्चों की मां प्रेमी के साथ रहने पर अड़ गई। महिला ने पुलिस को देकर गम्भीर आरोप लगाए तो पुलिस ने मामले की कार्यवाही करते हुए प्रेमी को थाने पर ले आई थी।

मामले में जब पंचायत में कोई हल नहीं निकाल तो पुलिस ने प्रेमी को शन्ति भंग करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। बातचीत ने ले लिया प्रेम का रूप- नगर के एक मुहल्ले की रहने वाली शादीशुदा महिला के पति की मृत्यु हो चुकी है। महिला के दो बच्चे हैं। महिला की पड़ोस में रहने वाले युवक से बातचीत होती थी। उसके बाद बातचीत ने प्रेम का रूप ले लिया। दोनों के बीच काफी समय तक संबंध रहे। पति की मौत के बाद महिला अकेली पड़ गई। उसने प्रेमी के साथ रहने की जिद्द की। पंचायत में नहीं निकला हल- पहले तो गांव में दोनों पक्षों के बीच पंचायत का दौर चला। युवक ने महिला को रखने से साफ इनकार कर दिया। जब गांव में पंचायत सफल नहीं हुई। उसके बाद महिला ने प्रेमी के खिलाफ थाने में शिकायत की। पुलिस प्रेमी को पकड़कर ले आई। थाने में भी लोगों ने प्रेमी को मनाने का प्रयास किया। लेकिन प्रेमी ने शादी करने से साफ मना कर दिया। %नहीं रखूंगा इसे, भेज दो मुझे जेल%- प्रेमी ने कहा कि मैं महिला को अपने साथ नहीं रखूंगा। मुझे जेल भेज दो। जब बात नहीं बनी तो पुलिस ने महिला के शिकायती पत्र पर प्रेमी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया है। मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि दो बच्चों की मां गांव के ही युवक के साथ रहने को जिद्द पर अड़ी हुई थी। युवक ने मना कर दिया। युवक के खिलाफ कार्रवाई कर जेल भेज दिया है।

ईद उल अजहा- ईदगाह-मस्जिदों में हजारों लोगों ने अल्लाह की बारगाह में किया सजदा, सुरक्षा व्यवस्था रही चाक-चौबंद

ईदगाह के अलावा शहर की विभिन्न मस्जिदों में भी ईद-उल-अजहा की नमाज अदा की गई। हर जगह सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। पुलिस लगातार गश्त करती रही और ड्रोन से निगरानी की गई। ईद-उल-अजहा के पवित्र मौके पर शनिवार को मुरादाबाद की ईदगाह और मस्जिदों में हजारों लोगों ने अल्लाह की बारगाह में सजदा किया। सुबह से ही लोगों का हुजूम ईदगाह की ओर उमड़ पड़ा। कुर्बानी, त्याग और भक्ति के इस पर्व पर शहरवासियों ने नमाज अदा कर मुल्क की तरक्की, अमन-चैन और भाईचारे की दुआएं मांगीं।ईदगाह में सुबह छह बजे से ही लोगों की आवाजाही शुरू हो गई थी। लोग अपने परिवार और बच्चों के साथ नए कपड़ों में ईदगाह की ओर पहुंचने लगे। साढ़े छह बजे तक ईदगाह का बड़ा हिस्सा भर चुका था और सात बजते-बजते पूरा मैदान नमाजियों से खचाखच भर गया। फिर भी लोगों का आना जारी रहा और पूरा माहौल इबादत से सराबोर हो गया।साढ़े सात बजे नायब इमाम मुफ्ती फहद अली नमाज अदा करवाई। उन्होंने अपने खुतबे में कुर्बानी के असली मायने बताए। नमाज के बाद इमाम ने मुल्क में अमन, भाईचारा, इंसानियत और तरक्की के लिए विशेष दुआ कराई। लगातार गश्त करती रही पुलिस-ईदगाह के अलावा शहर की विभिन्न मस्जिदों में भी ईद-उल-अजहा की नमाज अदा की गई। हर जगह सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। पुलिस लगातार गश्त करती रही और ड्रोन से निगरानी की गई। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और घरों की ओर रवाना हुए ताकि कुर्बानी का फर्ज अदा किया जा सके।

मुरादाबाद मंडल में जश्न का माहौल, मांगी अमन की दुआ, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

मुरादाबाद में ईद-उल-अजहा पर शहर की ईदगाह और मस्जिदों में हजारों लोगों ने नमाज अदा की और देश में अमन-चैन व भाईचारे की दुआ मांगी। ईदगाह में सुबह छह बजे से ही लोगों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी, जो सात बजे तक मैदान में पूरी तरह भर गई। नायब इमाम मुफ्ती फहद अली ने नमाज पढ़ाई और खुतबे में कुर्बानी के महत्व पर प्रकाश डाला। मुरादाबाद ईद-उल-अजहा के पवित्र मौके पर शनिवार को शहर की ईदगाह और मस्जिदों में हजारों लोगों ने अल्लाह की बारगाह में सजदा किया। सुबह से ही लोगों का हुजूम ईदगाह की ओर उमड़ पड़ा। कुर्बानी, त्याग और भक्ति के इस पर्व पर शहरवासियों ने नमाज अदा कर मुल्क की तरक्की, भाईचारे की दुआएं मांगीं।ईदगाह में सुबह छह बजे से ही लोगों की आवाजाही शुरू हो गई थी। लोग अपने परिवार नए कपड़ों में ईदगाह की ओर पहुंचने लगे। साढ़े छह बजे तक ईदगाह का बड़ा हिस्सा भर चुका था और सात बजते-बजते पूरा मैदान नमाजियों से खचाखच भर गया।फिर भी लोगों का आना जारी रहा और पूरा माहौल इबादत से सराबोर हो गया।साढ़े सात बजे नायब इमाम मुफ्ती फहद अली नमाज अदा करवाई। उन्होंने अपने खुतबे में कुर्बानी के असली मायने बताए। नमाज के बाद इमाम ने मुल्क में अमन, भाईचारा, इंसानियत और तरक्की के लिए विशेष दुआ कराई।मस्जिदों में भी अदा हुई नमाज ईदगाह के अलावा शहर की विभिन्न मस्जिदों में भी ईद-उल-अजहा की नमाज अदा की गई। हर जगह सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और घरों की ओर रवाना हुए ताकि कुर्बानी का फर्ज अदा किया जा सके।रामपुर- मुल्क की तरक्की की मांगी दुआएं रामपुर जिले में बकरीद का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। लोगों ने ईदगाहों, जामा मस्जिदों व अन्य मस्जिदों में नमाज अदा की। इसके बाद एक दूसरे को गले मिलकर बधाई दी। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस-प्रशासनिक अधिकारी भी भ्रमण करते रहे। रामपुर शहर स्थित ईदगाह में सुबह सात बजे से नमाज अदा की गई।यहां पर शहर काजी खुशनूद मियां ने नमाज अदा कराई। नमाज के बाद खुतबा पढ़ा गया। जिसमे शहर काजी खुशनूद मियां ने बकरीद के त्योहार और नमाज की फजीलत बयां की। इसके बाद देश और कौम की तरक्की के साथ मुल्क में अमन और शांति की दुआ की गई। वहीं जामा मस्जिद में सुबह साढ़े सात बजे से नमाज अदा की गई।यहां पर मौलवीने नमाज अदा कराई। नमाज के बाद देश-प्रदेश में शांति-अमन कामय रखने और आपसी सौहार्द बने रहने की दुआ की गई। इस दौरान भारी पुलिस फोर्स तैनात रहा। नमाज के बाद बाहर आकर लोगों ने गले लगकर एक दूसरे को बधाई दी।ईद-उल-अजहा शांतिपूर्ण, संभल में चाक-चौबंद सुरक्षा- एसपी केके विश्नोई संभल जिले में ईद-उल-अजहा शांति और सौहार्द के साथ मनाया गया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। एसपी केके विश्नोई ने बताया कि जिले के सभी पांच सर्किलों में ईद की नमाज शांतिपूर्वक संपन्न हुई। सुरक्षा के मद्देनजर पीएसी की पांच कंपनियों, आरआरएफ और अन्य बलों की तैनाती की गई थी। इसके साथ ही ड्रोन से निगरानी की गई ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।उन्होंने बताया कि कुर्बानी के बाद अवशेषों के निस्तारण के लिए विशेष टीमें लगाई गई हैं, जो समयबद्ध ढंग से सफाई सुनिश्चित कर रही हैं। लोगों से अपील की गई है कि कानून व्यवस्था को हाथ में न लें। इसके लिए टोल फ्री नंबर भी जारी किए गए हैं, ताकि किसी भी समस्या की सूचना तुरंत दी जा सके।शांति समिति की बैठकों के माध्यम से सभी को समय-सीमा के बारे में जानकारी दी गई थी और सभी लोग उस पर अमल कर रहे हैं। सोशल मीडिया की भी कड़ी निगरानी की जा रही है, ताकि कोई भड़काऊ सामग्री या अफवाह फैलाने की कोशिश न हो। एसपी ने कहा कि ईद-उल-अजहा जिले में पूरी शांति, भाईचारे और प्रशासन की सक्रिय निगरानी में मनाया गया है।

संक्षिप्त समाचार

पौधे में लगे कीट की निगरानी करें किसान

गन्ना रोग एवं कीटों पर नियंत्रण के लिए सुबह शाम करें खेतों का भ्रमण

मुरादाबाद- गन्ना आयुक्त एवं चीनी उ.प्र. प्रमोद कुमार उपाध्याय ने गन्ने में लगने वाले लाल सड़न (रेड रॉट) कन्डुआ (स्मट),उकठा (विल्ट) आदि रोगों व कीटों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए एडवाइजरी जारी की है। जिसके बारे में उप गन्ना आयुक्त हरपाल सिंह ने शुक्रवार को कार्यालय पर किसानों को विस्तार से जानकारी दी है। शुक्रवार को कार्यालय पर वार्ता के दौरान उप गन्ना आयुक्त हरपाल सिंह ने बताया कि गन्ने की फसल में समसामयिक लाल सड़न(रेड रॉट), कन्डुआ (स्मट), उकठा (विल्ट) आदि रोगों एवं जड़बेधक, गुलाबी चिकटा (मिलीबग) आदि कीटों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए गन्ना शोध परिषद, शाहजहांपुर द्वारा दिए सुझावों में कुछ क्षेत्रों में गन्ना किस्म को. 0238 की पत्तियों पर लाल सड़न रोग के लक्षण दिखाई दे रहे हैं। बताया कि लाल सड़न रोग के रोकथाम के लिए किसान प्रभावित गन्ने के पौध की जड़ से निकालकर नष्ट कर दें। अधिक वर्षा होने पर लाल सड़न रोग से संक्रमित खेत का पानी दूसरे खेतों में न जाने दें। कन्डुआ भी गन्ने का फफूंदजनित रोग है, इससे गन्ना लंबा व पतला हो जाता है। इसके उपचार के लिए बुवाई के समय ही गन्ने के टुकड़ों को प्रोपिकोनाजोल 25 ई.सी. या कार्बेन्डाजिम 50 डब्लू.पी.के 0.1 प्रतिशत घोल में बीज को 10 मिनट तक उपचारित करें। उकठा(विल्ट) बीज व मृदा द्वारा फैलने वाला फफूंद जनित रोग है। यह गर्मियों में दिन में उच्च तापमान व सूखे जैसी प्रतिकूल स्थिति में उकठा रोग व जड़ बेधक कीट का आपतन अधिक होता है, इस पर बोरान तथा मैगनीज 40 पीपीएम घोल के छिड़काव से नियंत्रण किया जा सकता है। जड़बेधक गन्ने के जड़ वाले भाग को नुकसान पहुंचाता है। सूड़ी का रंग सफेद, सिर का रंग गहरा भूरा होता है। इस कीट का प्रकोप अप्रैल से अक्टूबर तक होता है। यह कीट गन्ने की नवजात पौधों एवं गन्नों को नुकसान पहुंचाता है। गुलाबी चिकटा(मिलीबग) का मादा कीट गुलाबी रंग की तथा गोल या चपटे आकार की होती है।

रात अकेली थी प्रेमिका, फोन कर घर बुला लिया प्रेमी; सुबह होते-होते बन गया पति

युवती के परिजन किसी काम से बाहर गए थे। जिस पर युवती ने फोन करके रात में प्रेमी को मिलने के लिए घर बुला लिया। रात में दोनों एक कमरे में बातें कर रहे थे। परिवार के अन्य सदस्यों को शक हुआ तो घर पहुंचे और प्रेमी युगल को आपत्तिजनक हालत में पकड़ लिया।उत्तराखंड निवासी युवक गुरुवार की रात ठाकुरद्वारा के एक गांव निवासी प्रेमिका से मिलने उसके घर पहुंच गया। रात में परिजनों ने दोनों का कमरे में आपत्तिजनक हालत में पकड़ लिया और युवक की पिटाई कर दी। सुबह दोनों पक्षों की पंचायत में प्रेमी युगल की शादी करा दी। घर पर नहीं था कोई, प्रेमिका ने फोन कर प्रेमी को बुलाया ठाकुरद्वारा के गांव गांवड़ी निवासी एक युवती का उत्तराखंड के उधमसिंह नगर अंतर्गत थाना जसपुर के गांव बढ़ियोवाला निवासी युवक से एक साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। युवती के परिजन किसी काम से बाहर गए थे। जिस पर युवती ने फोन करके रात में प्रेमी को मिलने के लिए घर बुला लिया। रात में दोनों एक कमरे में बातें कर रहे थे। परिवार के अन्य सदस्यों को शक हुआ तो घर पहुंचे और प्रेमी युगल को आपत्तिजनक हालत में पकड़ लिया और युवक को पीटने के बाद युवती के माता-पिता को सूचना दी। रात को पहुंचे माता-पिता, प्रेमी को खूब पीटा जानकारी मिलते ही युवती के माता-पिता रात में ही घर पहुंच गए और युवक को फिर पीटा गया। ग्राम प्रधान और अन्य लोगों ने युवती के पिता को प्रेमी युगल की शादी कराने की सलाह दी। शुक्रवार को युवक के परिजन गांव पहुंचे और दोनों पक्षों की पंचायत हुई। जिसमें दोनों पक्ष की सहमति पर प्रेमी युगल की शादी करा दी गई।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

जिलाधिकारी ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के साथ ईद-उल-जुहा पर्व के दृष्टिगत जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु किया फ्लैग मार्च

क्यूँ न लिखूँ सच -ब्यूरोचीफ

ड्यूटी में लगे अधिकारी कर्मचारीगण को सतर्कता पूर्वक ड्यूटी करने व त्यौहार को सकुशल संपन्न कराने के संबंध में दिए आवश्यक दिशा निर्देश जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य के साथ ईद-उल-जुहा पर्व के दृष्टिगत जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु फ्लैग मार्च किया। जिलाधिकारी ने कहा कि यह मार्च संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की उपस्थिति दर्ज कराने तथा आमजन में सुरक्षा की भावना सुदृढ़ करने के उद्देश्य से किया गया। जिलाधिकारी ने किला, बाकरगंज, मलूकपुर आदि क्षेत्रों में फ्लैग मार्च के दौरान ड्यूटी में लगे अधिकारी/कर्मचारीगण को सतर्कता पूर्वक ड्यूटी करने व त्यौहार को सकुशल संपन्न कराने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान शांति व सौहार्दपूर्ण तरीके से मिलजुलकर ईद-उल-जुहा के पर्व को मनाने एवं अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की।

फर्जी प्रमाणपत्र केंद्र मामला- तीसरी बड़ी कार्रवाई, अब गैनी में युवक गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच -ब्यूरोचीफ

बरेली। जिले में फर्जी आधार केंद्रों के खिलाफ कार्रवाई का सिलसिला जारी है। अब अलीगंज थाना क्षेत्र के गांव गैनी में कई वर्षों से फर्जी आधार कार्ड और अन्य दस्तावेज बनाने वाले युवक को बुधवार को एसओजी, मिलिट्री इंटेलिजेंस और थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से भारी मात्रा में सामान बरामद हुआ है। थाना प्रभारी राजितराम ने बताया कि संयुक्त टीम ने छापेमारी के दौरान गैनी निवासी देवेश पाठक को उसकी दुकान पर फर्जी दस्तावेज बनाते पकड़ा। उसके पास से चार लैपटॉप, दो प्रिंटर, एक आई स्कैनर, एक फिंगर स्कैनर, दो फोटो स्कैनर, शर्मा पीसीओ के नाम की चार मोहरें, एक मोबाइल फोन, एक टैबलेट और छह सिम बरामद किए गए। पुलिस ने एक पेन ड्राइव, दो डोंगल, दो लैपटॉप चार्जर, एक कीबोर्ड, 14 वोटर कार्ड, चार आधार कार्ड, एक बैंक पासबुक, 10 राशन कार्ड, एक जीपीएस, चार यूएसबी हब, 47 जन्म प्रमाणपत्र, आठ जाति प्रमाणपत्र और तीन मूल निवास प्रमाणपत्र भी जब्त किए। जिले में फर्जी आधार कार्ड और अन्य दस्तावेज बनाने का अवैध धंधा लगातार जारी है। पिछले 15 दिनों में सीबीगंज, भोजीपुरा के बाद अब अलीगंज में यह तीसरी बड़ी कार्रवाई है। बताया जाता है कि संबंधित चौकी और थाना स्तर पर जानकारी होने के बावजूद पहले कार्रवाई में देरी हुई।

छह लोगों पर हमले के बाद ग्रामीणों ने तेंदुआ मार डाला, भीड़ ने पुलिस हिरासत से तीन लोगों को भगाया

तेंदुए की हत्या का जिम्मेदार मानते हुए पुलिस और वन विभाग की टीम तीन लोगों को पकड़कर थाने ले आई। ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर थाने पहुंचे ग्रामीणों ने तीनों लोगों को छुड़ाकर भगा दिया।ग्रामीणों ने थाने में जमकर हंगामा किया।खेतों पर काम कर रहे कुतुबपुर हमीदपुर के लोगों पर मादा तेंदुए ने हमला कर दिया। इसमें तेंदुए ने एक के बाद एक छह लोगों को घायल कर दिया। इसके बाद ग्रामीणों का गुस्सा भड़क गया। लाठी-डंडों से लैस ग्रामीणों ने तेंदुए को घेर लिया और उसे पीट-पीटकर मार डाला।मौके पर पहुंची वन विभाग और पुलिस टीम ने जांच पड़ताल की। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। तेंदुए की हत्या का जिम्मेदार मानते हुए पुलिस और वन विभाग की टीम तीन लोगों को पकड़कर थाने ले आई। ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर थाने पहुंचे ग्रामीणों ने तीनों लोगों को छुड़ाकर भगा दियाग्रामीणों ने थाने में जमकर हंगामा किया। मामले में वन विभाग की ओर से नामजद और अज्ञात ग्रामीणों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है। वहीं, डीएफओ कार्यालय पर तेंदुए का पोस्टमार्टम कराया गया। जिसमें चोट लगने से तेंदुए की मौत की पुष्टि हुई है। शनिवार की सुबह करीब 11 बजे गांव के रहने वाले किसान डालचंद सिंह अपने बेटे कौकिल के साथ खेत पर काम कर रहे थे। सभी पड़ोस के खेत से निकले तेंदुए ने पिता-पुत्र पर हमला कर घायल कर दिया। शोर सुनकर आसपास के खेतों पर काम कर रहे लोगों की भीड़ मौके की तरफ दौड़ पड़ी। जानकारी मिलते ही कुतुबपुर हमीदपुर और आसपास के गांवों के लोग भी लाठी डंडे से लैस होकर मौके पर पहुंच गए। भीड़ ने तेंदुए को घेर लिया और घंटों तक इधर-उधर दौड़ते रहे। इस दौरान तेंदुए ने हेतराम, कृपाल सिंह, अरविंद, धर्म सिंह और हेमराज पर हमला कर जख्मी कर दिया। जिसके बाद ग्रामीणों का गुस्सा ओर भड़क गया। लाठी-डंडों से लैस ग्रामीणों ने तेंदुए को पीट-पीटकर मार डाला। सूचना मिलते ही नौगांवा सादात पुलिस और वन विभाग के डिप्टी रेंजर राजीव वर्मा, वन दरोगा केपी सिंह और वनरक्षक लोकेंद्र सिंह मौके पर पहुंच गए। उनके पहुंचने से पहले ही तेंदुए की मौत हो चुकी थी।जबकि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया जा चुका था। जांच पड़ताल के बाद वन विभाग की टीम ने पुलिस की मदद से तेंदुए की हत्या करने की शक में ग्राम प्रधान बृजेश के भाई राकेश और गांव के रहने वाले धर्मवीर व राजू को पकड़ लिया। तीनों को नौगांवा सादात थाने लाया गया। इससे नाराज सैकड़ों ग्रामीण ट्रैक्टर-ट्रॉली से नौगांवा सादात थाने पहुंच गए। गुस्साए ग्रामीणों ने थाने का घेराव कर लिया और वन विभाग की गाड़ी में बैठे राकेश, धर्मवीर और राजू को छुड़ाकर वहां से भगा दिया। तेंदुए की मौत के मामले में ग्रामीणों ने कार्रवाई को गलत बताया और जमकर हंगामा किया। बाद में पुलिस और वन विभाग का अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझा कर शांत किया और तीनों आरोपियों को वापस बुलाने के लिए कहा है।

उपमुख्यमंत्री ने जिला अस्पताल में स्टाफ को लगाई फटकार

भर्ती घायल का इलाज शुरू न होने से खफा हुए

क्यूँ न लिखूँ सच -ब्यूरोचीफ

बरेली में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने शुक्रवार सुबह जिला अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने सबसे पहले जन औषधि केंद्र के उद्घाटन किया। फिर क्रमवार पैथोलॉजी लैब, इमरजेंसी वार्ड और ब्लड बैंक पहुंचे। इमरजेंसी में भर्ती मरीजों से बातचीत की और व्यवस्थाओं का हाल जाना। दुर्घटनाग्रस्त में घायल आंवला निवासी युवक को भर्ती किए जाने के बावजूद इलाज शुरू न होने पर नाराजगी जताई और तत्काल उपचार शुरू करने के निर्देश दिए। वहां मौजूद स्टाफ को फटकार लगाई। कहा कि लापरवाही अब नहीं चलेगी। मरीज का एक्सरे करने और दवा देने की हिदायत दी। बोले, मरीज का अगर खून साफ नहीं होगा तो इन्फेक्शन हो जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि अस्पताल में सांप काटने के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। डीएम और सीएमओ को एंटी स्नेक वेनम और लोगों को जागरूक करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि अस्पताल में खाली पदों पर पांच लाख रुपये तक की सैलरी पर वाक इन इंटरव्यू से तैनाती होगी। उन्होंने डायलिसिस में बेड बढ़ाने, मरीजों को बेहतर भोजन उपलब्ध कराने, कार्डियोलॉजिस्ट की निजी अस्पताल से बातचीत कर प्रतिदिन के आधार पर वेतन तय कर तैनाती के लिए कहा।

वन संरक्षण में उत्तर प्रदेश देश का दूसरा सबसे बड़ा राज्य बना यूपी-वन मंत्री

क्यूँ न लिखूँ सच -ब्यूरोचीफ

बरेली। प्रदेश सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मंत्री डॉ अरुण कुमार सक्सेना ने बताया कि भारतीय वन सर्वेक्षण देहरादून की रिपोर्ट जारी हुई है। इसके अनुसार प्रदेश का वनावरण और पौधरोपण 23437.53 वर्ग किमी (9.73 प्रतिशत)से बढ़कर 23996.72 वर्ग किमी (9.96 प्रतिशत) हो गया है। वनावरण का दायरा बढ़ने से उत्तर प्रदेश वन संरक्षण के क्षेत्र में पूरे देश में दूसरे स्थान पर आ गया। उन्होंने कहा कि वन क्षेत्र विकसित करने के लिए सरकार पूरा प्रयास कर रही है। इसके लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। दुधवा टाइगर रिजर्व और दुधवा राष्ट्रीय उद्यान में इको पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए 25 नवम्बर 2024 को लखनऊ से पलिया तक हवाई सेवा का शुभारंभ किया गया है। गोरखपुर के कैम्पियरगंज में एशिया के प्रथम नवनिर्मित जटायु संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया है। यहां पर जटायु और राजगिद्ध के संरक्षण व संवर्धन केंद्र में 6 राजगिद्धों (नर एवं मादा) को लाया जा चुका है। ब्रीडिंग एवरी, होल्डिंग एवरी, हॉस्पिटल एवरी, नर्सरी एवरी, वेटनरी सेक्शन, प्रशासनिक भवन, रिकवरी एवरी, गार्डरूम, जेनरेटर रूम एवं पाथवे का निर्माण किया गया है। वहीं पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओ-पर्यावरण बचाओ जन अभियान, 2024 के तहत 20 जुलाई, 2024 को वन एवं वन्य जीव विभाग सहित 26 राजकीय विभागों की सहभागिता से निर्धारित लक्ष्य 36.50 करोड़ पौधरोपण के सापेक्ष प्रदेश में 36.51 करोड़ पौध रोपित किए हैं। वन मंत्री ने बताया कि वेटलैंड संरक्षण के तहत 223 महत्वपूर्ण वेटलैंड्स के जलागम क्षेत्र में वेटलैंड संरक्षण वन, प्रदेश में घोषित 948 विरासत वृक्षों से रोपण सामग्री प्राप्त कर प्रदेश के 11 जनपद, जिसमें गोरखपुर, अयोध्या, लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी, मेरठ, बरेली, मथुरा, सीतापुर, चित्रकूट एवं मिर्जापुर में विरासत वृक्ष वाटिका स्थापित की गई है, जबकि रामपुर, बरेली, पीलीभीत, लखीमपुरखीरी आदि जनपदों में मित्र वन स्थापित किये हैं। पौधरोपण के लिए विद्यार्थियों को जागरूक किया है। इस प्रकार निजी वृक्षों के लिए कार्बन क्रेडिट का भुगतान करने वाला उत्तर प्रदेश देश का प्रथम राज्य बन गया।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

नहीं रहे रिठौरा पुलिस चौकी पर तैनात चौकीदार मुश्ताक अहमद

क्यूँ न लिखूँ सच -ब्यूरोचीफ

बरेली। रिठौरा। थाना हाफिजगंज के रिठौरा पुलिस चौकी पर रहे चौकीदार मुश्ताक अहमद (60)का शुक्रवार को उपचार के दौरान निधन हो गया।वह कुछ समय से अस्वस्थ्य चल रहे थे। मृतक चौकीदार अपने पीछे पत्नी मुन्नी एक बेटी को पीछे छोड़ गए। उनके निधन पर थानाध्यक्ष पवन कुमार सिंह, चौकी प्रभारी वैभव गुप्ता, दीवान विवेक बाबू शुक्ला, कांस्टेबल सचिन कुमार, सतेंद्र,विकास पवार, अनुराग सचिन,चेयरमैन शकुंतला देवी, प्रतिनिधि अमित कुमार गुप्ता, पूर्व चेयरमैन अशोक कुमार गुप्ता, धनपाल सिंह,इकराम अली खान , प्रदीप कुमार गुप्ता, आदि ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

रिठौरा में शांति पूर्ण ढंग से हुई ईद -उल- अजहा की नमाज, मांगी मुल्क में अमन-चैन की दुआ

क्यूँ न लिखूँ सच -ब्यूरोचीफ

बरेली। रिठौरा। थाना हाफिजगंज के कस्बा रिठौरा में ईद -उल-अजहा का त्योहार बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।ईद की नमाज ईदगाह परिसर में सुबह 8ः15 बजे जामा मस्जिद के इमाम मौलाना मुकर्रम रजा ने पढ़ाई।इस दौरान मुल्क की सलामती की दुआ मांगी। मौके पर भारी संख्या में नमाजी हल्का लेखपाल दिनेश कुमार चौकी प्रभारी वैभव गुप्ता सहित भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात रहा। कस्बे में मंगलवार को लगभग एक दर्जन कुर्बानी हुईं। हालांकि यह सिलसिला अगले तीन दिनों तक जारी रहेगा। इसके अलावा लभेड़ा उर्फ बुलंद नगर,गुपलापुर मुल्लापुर, दियोरिया जागीर,भंडसर बंजरिया सावरखेड़ा, मुंडिया अहमदनगर आदि क्षेत्र में भी ईद शांति पूर्ण तरीके से एक दूसरे के गले लगकर ईद की मुबारकबाद दी गई।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

मैनपुरी में महंत की अंत्येष्टि पर खूनी संघष...आश्रम के बाहर मारपीट और पथराव, मंदिर पर ताला; पूजा-पाठ बंद

आश्रम में अनुयायियों के साथ घुसे बैठे रघुनंदन दास को एसपी सिटी आईपीएस अरुण कुमार की मौजूदगी में बाहर निकाला गया। पुलिस ने आश्रम के गेट पर दोपहर में ताला लगा दिया। चाबी ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष तहसीलदार किशनी को सौंपी गई।मैनपुरी के किशनी के जटपुरा चौराहे पर स्थित रामजानकी आश्रम के 80 वर्षीय महंत सुरेंद्र दास की मृत्यु के बाद उनकी आश्रम के भीतर अंत्येष्टि को लेकर शनिवार सुबह भारी बवाल हो गया। पुलिस-प्रशासन ने तत्काल हस्तक्षेप कर शव का अंतिम संस्कार आश्रम के बाहर कराया और अगले आदेश तक मंदिर को सील कर दिया। मंदिर में लोगों के प्रवेश और पूजा-पाठ पर भी रोक लगा दी गई है। आश्रम के भीतर अंत्येष्टि नहीं करने दे रहे महंत रघुनंदन दास के अनुयायियों ने सुरेंद्र दास का शव शनिवार सुबह उठाने की कोशिश की, जिससे दोनों पक्षों में भीषण भिड़ंत हो गई। इस दौरान जमकर हाथापाई और पथराव हुआ, जिसमें तीन लोग घायल हो गए। पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर किया और दोनों पक्षों से 10 लोगों को हिरासत में लिया। एसपी सिटी आईपीएस अरुण कुमार की मौजूदगी में रघुनंदन दास को उनके अनुयायियों सहित आश्रम से बाहर निकाला गया। दोपहर में पुलिस ने आश्रम के गेट पर ताला लगा दिया और चाबी ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष, तहसीलदार किशनी को सौंप दी।घायल और हिरासत में लिए गए लोग इस झड़प में रघुनंदन पक्ष के रणवीर और सुभाष घायल हुए, जबकि दूसरे पक्ष से जितेंद्र उर्फ मुखिया घायल हुए। इन्हें उपचार के लिए भेजा गया है। पुलिस ने रघुनंदन पक्ष से प्रवेश यादव और दूसरे पक्ष से कुंतेश कुमार, जितेंद्र सिंह, विजय प्रकाश, रामचंद्र, आनंद, राधा मोहन, अंकुर, रामनरेश, आसाराम को हिरासत में लिया है।विवादित भूमि और आनन-फानन में अंतिम संस्कार रामजानकी मंदिर के अध्यक्ष तहसीलदार घासीराम ने विवादित जमीन का हवाला देते हुए आश्रम के अंदर अंतिम संस्कार से मना कर दिया। अंत में तय हुआ कि अंत्येष्टि आश्रम के बराबर वाली जमीन पर की जाएगी। सुबह 11 बजे एसडीएम गोपाल शर्मा, सीओ भोगांव सत्यप्रकाश शर्मा और तहसीलदार घासीराम व भारी पुलिस बल की मौजूदगी में तय स्थल पर अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। मुखाग्नि ग्राम प्रधान विजय प्रकाश ने दी।24 घंटे से अधिक रखा रहा शव, वर्चस्व की लड़ाई महंत सुरेंद्र दास का निधन बृहस्पतिवार रात को हो गया था। शुक्रवार को उनके अनुयायी शव को आश्रम के भीतर अंत्येष्टि के लिए ले जाने लगे, लेकिन रघुनंदन दास के पक्ष ने आश्रम में ताला लगा दिया और अंदर मौजूद लोगों ने शव को भीतर लाने से मना कर दिया। इस घटना से तनाव पैदा हो गया। पुलिस-प्रशासन ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम के बाद लौटे अनुयायी आश्रम के बाहर ही धरने पर बैठ गए और आश्रम के भीतर ही अंत्येष्टि की मांग पर अड़े रहे, जिससे शुक्रवार को शव का अंतिम संस्कार नहीं हो सका था। महंत के शिष्यों ने आरोप लगाया है कि आश्रम और उससे लगी 18 बीघा भूमि पर कब्जे की साजिश के चलते ही महंत ने प्राण त्यागे हैं। उन्होंने एक हिस्ट्रीशीटर के आश्रम में मौजूद होने का भी आरोप लगाया, जिसके खिलाफ शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। पुलिस बल तैनात, शांति व्यवस्था की अपील एसपी गणेश प्रसाद के आदेश पर विवादित स्थल पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। लोगों से अपील की गई है कि वे उक्त स्थल पर न जुटें। पुलिस ने चेतावनी दी है कि किसी भी तरह का बवाल करना या अफवाह फैलाना अपराध की श्रेणी में आएगा और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एसपी ने शांति व्यवस्था से कोई खिलवाड़ न होने देने का आश्वासन दिया है।भाजपा नेताओं के हस्तक्षेप से बढ़ा विवाद किशनी क्षेत्र में चर्चा है कि यह विवादित जमीन करीब 18 बीघा की है और पांच साल से अधिक समय से इस पर विवाद चल रहा है। इसी विवाद के चलते तहसीलदार किशनी को रामजानकी आश्रम के ट्रस्ट का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था। क्षेत्र में यह भी चर्चा है कि कुछ भाजपा नेताओं की शुरुआत से ही इस मामले में रुचि रही और वे एक पक्ष को बढ़ावा देते रहे, जिसके चलते विवाद बढ़ता चला गया। बताया जा रहा है कि महंत सुरेंद्र दास की मौत के बाद भी जब उनके अनुयायी शव की आश्रम के भीतर अंत्येष्टि की मांग पर अड़े थे, तो कुछ भाजपा नेताओं ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों पर फोन कर दबाव भी बनाया। यह भी कहा जा रहा है

जिले में सकुशल संपन्न हुई ईद उल अजहा की नमाज, भारी पुलिस बल रहा तैनात

क्यूँ न लिखूँ सच- श्याम जी कश्यप

फर्रुखाबाद उत्तर प्रदेश- नमाजियों ने देश में अमन चैन और भाईचारे की दुआ मांगी सुप्रीम कोर्ट में चल रहे वक्फ बोर्ड बिल के मुकदमे को लेकर भी दुआ मांगी गई शाही इमाम मुफ्ती मोज्जम अली ने सुप्रीम कोर्ट से वक्फ बोर्ड बिल का फैसला बेहतर से बेहतर अपने पक्ष में करा देने की तकरीर की हे अल्लाह सुप्रीम कोर्ट से हमारे हक में फैसला कर दीजिए और हमें खतरों से बचा लीजिए - शाही इमाम नमाज संपन्न होने के बाद नवाजियों ने एक दूसरे के गले मिलकर ईद उल अजहा की मुबारकबाद दी ईद उल अजहा की

नमाज को देखते हुए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे नई ईदगाह और पुरानी ईदगाह समेंत मस्जिदों और चौक चौराहा समेंत चप्पे चप्पे पर पुलिस बल तैनात रहा ईदगाह व मस्जिदों के आसपास सहित मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में ड्रोन कैमरे से की गई निगरानी सभी से अपील की गई की कुर्बानी के बाद खुले में अवशेष ना फेकें - सिटी मजिस्ट्रेट नगर पालिका और नगर पंचायत को निर्देश दिए गए की कुर्बानी के बाद अवशेषों को ससमय निस्तारित करा दिया जाए नई ईदगाह के गेट पर सिटी मजिस्ट्रेट संजय कुमार बंसल व सीओ सिटी ऐश्वर्या उपाध्याय पुलिस बल के साथ रही मौजूद बीबीगंज पुलिस चौकी में पुलिस अधीक्षक आरती सिंह व डीएम एव एडीएम अरुण कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक डॉक्टर संजय सिंह रहे मौजूद थाना मऊदरवाजा क्षेत्र में नई ईदगाह बा पुरानी ईदगाह समेत पूरे जनपद का मामला

कार चालक ने बाइक सवार दो दोस्तों को एक किलोमीटर तक घसीटा, एक की मौत... दूसरा गंभीर

बदायूं जिले में उसावां-कलान मार्ग पर शुक्रवार रात दर्दनाक घटना हुई। तेज रफ्तार कार ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। बाइक सवार दो युवक कार के अगले हिस्से में फंस गए। चालक गाड़ी दौड़ता रहा। इससे गई। दूसरा गंभीर कार चालक ने मार दी, जिससे कार के अगले हिस्से रोकने की बजाय करीब एक युवक घिसटते रहे। शाहजहांपुर जिले के मौत हो गई। उनका

एक युवक की मौत हो घायल हुआ है। बदायूं में बाइक सवारों को टक्कर बाइक सवार दोनों युवक में फंस गए। चालक कार दौड़ाता चला गया। इससे किलोमीटर तक दोनों दर्दनाक हादसे में निवासी आर्येंद्र कुमार की साथी गंभीर घायल हो गया। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शाहजहांपुर के थाना कलान क्षेत्र के गांव बसई का रहने वाला आर्येंद्र कुमार (30 वर्ष) पुत्र बांकेलाल बदायूं रोडवेज डिपो में परिचालक के पद पर तैनात थे। शुक्रवार को वह अपने साथी चालक सीताराम के भाई की शादी में शामिल होने के लिए गांव के ही दोस्त रीटू पुत्र रामबक्श के साथ अलापुर थाना क्षेत्र के गांव रमनगला में बाइक से आए थे।कार ने पीछे से मारी टक्कर शादी समारोह से दोनों बाइक से देर रात घर लौट रहे थे। उसावां और कलान मार्ग पर शेरे पंजाब ढाबा के पास पीछे से आई तेज रफ्तार कार ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर लगते ही दोनों युवक कार के अगले हिस्से में फंस गए। कार सवार ने कार नहीं रोकी और करीब एक किलोमीटर तक दोनों को घसीटता हुआ कार दौड़ाता रहा। ब्रेकर आने पर दोनों युवक खून से लथपथ सड़क किनारे गिर गए। राहगीरों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। इस पर उसावां थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। दोनों युवकों को सीएचसी दातागंज लाया गया। जहां आर्येंद्र को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया जबकि गंभीर हालत में रीटू को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। शनिवार को थाना पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराया है। आर्येंद्र के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। उधर, हादसे के बाद कार चालक भाग गया। उसके बारे में पुलिस पता लगा रही है।

10 दिन के अंदर शुरू हो सकते हैं राम दरबार में दर्शन, मंदिर ट्रस्ट कर रहा विचार

अयोध्या में पांच जून को राम मंदिर के पहले तल पर राम दरबार की स्थापना की गई थी। रामभक्तों को जल्द ही उनके दर्शन करने का मौका मिल सकता है। ट्रस्ट इस पर विचार कर रहा है।रामभक्तों के लिए अयोध्या से अच्छी खबर है। 10 दिन के अंदर राम मंदिर जाएंगे। इसके लिए राम मंदिर ट्रस्ट विचार कर रहा है। भगवान स्थापना हो चुकी है। राम मंदिर में राम दरबार की स्थापना के भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने शनिवार को विषय में विस्तार से जानकारी दी। जहां टेंट में विराजमान थे कि राम मंदिर के परिसर में राम जन्म स्थान यानी कि जहां पर विभाग की टीम सर्वे कर रही है। इसके साथ ही मंदिर निर्माण जानकारी देते हुए बताया कि राम दरबार में 10 दिन के अंदर है। सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट के प्रतिनिधि इस पर चर्चा मंदिर ट्रस्ट व्यापक इंतजाम में जुटा हुआ है। पुष्करणी कुंड का प्लान वहीं, राम मंदिर परिसर में सप्तऋषि मंदिरों के बीच में समिति के अध्यक्ष ने कहा कि पंचवटी निर्माण में प्रकृति से कोई

पौधे लगाए जा रहे हैं ताकि पशु पक्षियों को पानी पीने और उसका लाभ लेने में कोई असुविधा न हो। इसका निर्माण कार्य कंपनी की ओर से किया जा रहा है। एक महीने में इसका मास्टर प्लान भी लगभग तैयार हो जाएगा। राम मंदिर के दूसरे तल पर संरक्षित किए जाएंगे दुर्लभ ग्रंथ -नृपेंद्र मिश्र ने कहा कि भूतल में रामलला विराजमान हो चुके हैं तो प्रथम तल पर उनका पूरा परिवार, इसके साथ मंदिर के दूसरे तल पर ऐसे ग्रंथ जो अपनी परिभाषा में दुर्लभ कहलाए और भगवान राम से संबंधित होंगे, उनको संरक्षित किए जाने का काम किया जाएगा। सभी तलों पर क्या-क्या होगा, इसको निश्चित कर लिया गया है। राम मंदिर के उत्तर दिशा में एक माह के अंदर मंदिर के द्वार का निर्माण पूरा हो जाएगा। इसे 15 अगस्त तक निश्चित तौर पर पूरा कर लिया जाएगा।रक्षा मंत्रालय समेत भारत सरकार की कई संस्थाओं ने किया निर्माण में सहयोग नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि राम मंदिर में भारत सरकार की अनेक संस्थाओं ने सहयोग किया है। इसमें सेंट्रल रिसर्च इंस्टीट्यूट के अलावा रेल मंत्रालय का सहयोग रहा है। जहां रामलला टेंट में विराजमान थे, वहां एएसआई की टीम सर्वे कर रही है। 500 वर्षों के लंबे संघर्ष पर वहां पुरातत्व विभाग की टीम रिसर्च करेगी। इसके साथ ही रक्षा मंत्रालय की तरफ से राम मंदिर में टाइटेनियम की जाली लगाई जा रही है। सभी संस्थाओं को राम मंदिर ट्रस्ट की तरफ से भुगतान किया गया है।

के पहले तल पर हाल ही में प्रतिष्ठित राम दरबार के दर्शन शुरू हो राम की नगरी में राम मंदिर निर्माण के बाद अब राम दरबार की साथ राम मंदिर निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। ऐसे में राम मंदिर मंदिर परिसर में चल रहे काम और उन पर होने वाली चर्चाओं के रामलला, वहां सर्वे कर रहा पुरातत्व विभाग नृपेंद्र मिश्र ने बताया रामलला टेंट में विराजमान थे, उस स्थल पर एएसआई पुरातत्व लगभग पूरा हो चुका है। भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष ने दर्शन शुरू हो सकता है। राम मंदिर ट्रस्ट इस पर विचार कर रहा कर रहे हैं। भगवान के दरबार में जाने और आने को लेकर राम निर्माण अंतिम चरण में, पंचवटी निर्माण का तैयार हो रहा मास्टर पुष्करणी कुंड का निर्माण कार्य भी अंतिम चरण में है। निर्माण भी छेड़छाड़ नहीं किया जाएगा। यथास्थिति रखते हुए वहां पर

महिला अस्पताल के एसएनसीयू में जुड़वा समेत चार नवजातों की मौत, वेंटीलेटर के अभाव से गई जान

बदायूं के महिला अस्पताल में संचालित एसएनसीयू में वेंटीलेटर नहीं है, जिससे नवजातों के इलाज में बाधा आ रही है। शनिवार को चार नवजातों की मौत हो गई। इनमें दो जुड़वा बच्चे थे। बदायूं के महिला अस्पताल में संचालित एसएनसीयू (विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई) में वेंटीलेटर न होने से शनिवार को चार नवजात बच्चों की मौत हो गई। यहां इलाज की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पाने से आठ से दस बच्चों को हर रोज अलीगढ़ व सैफई के पत्नी प्रेमलता को पांच जून के लिए महिला अस्पताल में भर्ती था। बच्चे को एसएनसीयू में भर्ती कराया गया। दूसरे दिन छह की बात परिजनों से कही, लेकिन परिजन रेफर कराने को तैयार कोहराम मच गया। वहां मौजूद स्टाफ के भी हाथ पांव फूल दिया।जुड़वा बच्चों ने तोड़ा दम कस्बा समरेर निवासी विपिन जुड़वां बच्चों को जन्म दिया। पांच जून को दोनों बच्चों को वेंटीलेटर की आवश्यकता थी, लेकिन अस्पताल में न तो

लिए रेफर किया जा रहा है।दातागंज के मोहल्ला परा निवासी धर्मपाल ने कराया था। देर शाम उसने बच्चे को जन्म दिया। बच्चे का वजन 780 ग्राम जून को डॉक्टर ने वेंटीलेटर की आवश्यकता बताकर बच्चे को रेफर करने नहीं हुए। शनिवार सुबह बच्चे की मौत हो गई। मौत के बाद परिजनों में गए। वहां मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने बच्चे को परिजनों को सौंपकर घर भेज ने अपनी पत्नी रेनू चार जून को महिला अस्पताल में भर्ती कराया। उसने एसएनसीयू में भर्ती करा दिया। दोनों बच्चों का वजन कम था। दोनों को वेंटीलेटर है और न ही सीपैप की व्यवस्था है। शनिवार सुबह दोनों नवजातों की मौत हो गई। मौत के बाद परिजनों ने स्टाफ पर इलाज में कोताही बरतने का आरोप लगाकर हंगामा किया। वहां तैनात सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचे और परिजनों को शांत किया। बच्चों के शव परिजनों को सौंप कर घर भेज दिया।दोपहर में बच्ची की मौत कादरचौक थाना व कस्बा के रहने वाले इंत्याज ने अपनी पत्नी तरन्नुम को तीन जून को महिला अस्पताल में भर्ती कराया था। चार जून को उसको सात माह की बच्ची पैदा हुई। पांच जून को उसे एसएनसीयू में भर्ती कराया। डॉक्टर ने रेफर कर दिया, लेकिन परिवार के लोग उसको नहीं ले गए। शनिवार को दोपहर करीब दो बजे बच्ची की मौत हो गई। परिजन बच्ची को लेकर घर चले गए। महिला अस्पताल में संचालित एसएनसीयू में ऐसे नवजात भर्ती किए जाते हैं जो नौ महीने से कम अवधि में पैदा हुए हैं या फिर वजन औसत से कम है। हर रोज ऐसे 10 से 15 बच्चे भर्ती किए जा रहे हैं। अधिकांश बच्चों को वेंटिलेटर की जरूरत रहती है, लेकिन यहां वेंटीलेटर के अभाव में नवजात दम तोड़ दे रहे हैं। तीन-तीन घंटे वार्मर का करना पड़ता है इंतजार महिला अस्पताल में 12 वार्मरों की क्षमता है, लेकिन यहां 17 से 18 नवजात हर समय भर्ती रहते हैं। नवजात को भर्ती कराने में तीन-तीन घंटे इंतजार करना पड़ता है। आरोप यह भी लगते आ रहे हैं कि कर्मचारी अवैध रूप से रुपये वसूलकर वार्मर जल्दी दे देते हैं। जो रुपये नहीं दे पाते हैं, टरका दिया जाता है। शनिवार को 14 बच्चे भर्ती थे। शहर के एक मोहल्ले से महिला बच्चे को भर्ती कराने यहां पहुंची तो वार्मर खाली नहीं था। महिला ने बच्चे को गोद में लेकर तीन घंटे तक इलाज कराया। हालत ठीक न होने पर परिजन बच्चे को निजी अस्पताल लेकर चले गए।सीएमएस बोलीं- वजन बहुत कम था महिला अस्पताल की सीएमएस डॉ. इंदुकांत वर्मा ने बताया कि एसएनसीयू में जिन नवजातों की मौत हुई है उनको वजन बहुत कम था। डॉक्टरों ने प्रयास किया लेकिन बच्चों की जान बच सकी। वेंटीलेटर की सुविधा नहीं हैं। डॉक्टर रेफर करने को कहते हैं तो परिजन कहीं ले जाने को तैयार नहीं होते। शासन को कई बार पत्राचार किया है लेकिन वेंटीलेटर नहीं लग सके हैं। डीएम अवनीश कुमार राय ने बताया कि एसएनसीयू में चार बच्चों की मौत की शिकायत मिली थी। इस पर अधिकारियों से जानकारी ली तो उन्होंने बताया कि सभी प्रीमेच्योर थे। इलाज के लिए उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया था, लेकिन परिवार के लोग नहीं ले गए। वेंटीलेटर की कमी के बारे में जानकारी नहीं है। इसे भी दिखवाया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

अकराबाद हर्सोल्लास के साथ मनाया ईद उल अजहा का त्यौहार

क्यूँ न लिखूँ सच

अलीगढ़ अकराबाद - कस्बा व आसपास के क्षेत्र में ईद उल अजहा का त्योहार शांति पूर्वक एवं सौहार्द के साथ मनाया गया। कस्बा के अलावा अधौन, पिलखना, कौडियागंज, मिर्जा चांदपुर, पनेठी व गोपी आदि की मस्जिदों में नमाज अता की गई। काफी तादाद में मुस्लिम समाज के लोगों ने एक साथ मिलकर देश में अमन चैन की दुआ की।

नमाज के बाद लोगों ने एक दूसरे के गले मिलकर ईद की बधाई दी। इससे पूर्व सुबह से ही मुस्लिम समाज के सैकड़ो लोग सज धज कर ईदगाह की ओर जाते दिखाई दिए। नमाज के बाद लोगों ने बकरीद पर अपने-अपने घरों में कुर्बानी की रस्म अदा की। इस दौरान क्षेत्र में शांति और भाईचारे का माहौल बना रहा।

छह साल के बालक की दर्दनाक मौत...घर के बाहर खेलते समय हुआ गायब, फिर गटर टैंक में मिली लाश; मचा चीत्कार

बच्चा घर से बाहर खेलने की कहकर निकला था। काफी देर तक जब घर पर नहीं लौटा तो परिजन को चिंता हुई। उसकी तलाश की तो चप्पल मकान के बने गटर टैंक में मिली।एटा के कोतवाली

नगर क्षेत्र के गांव भगीपुर में शुक्रवार की देर शाम छह वर्षीय बालक की गटर के टैंक में डूबने से मौत हो गई। बालक घर के बाहर खेलने के लिए गया था। काफी देर बाद देखा तो सामने निर्माणाधीन मकान के टैंक में बालक की चप्पल उतराती दिखाई दीं। तब घटना के बारे में जानकारी हुई।गांव भगीपुर निवासी दुष्यंत कुमार ने बताया कि बेटा आरव (6) शुक्रवार की देर शाम घर से बाहर खेलने की कहकर निकला था। काफी देर तक जब घर पर नहीं लौटा तो परिजन को चिंता हुई। जिसके चलते उसको ढूंढ़ना शुरू किया, मगर कहीं भी उसका पता नहीं चला। शाम लगभग 7.30 बजे घर के सामने निर्माणाधीन एक मकान के गटर टैंक पर कुछ लोगों की नजर पड़ी तो देखा कि बच्चे की चप्पल पानी में उतरा रही हैं। यह देखकर परिजन को जानकारी दी, तो कुछ लोग टैंक में उतरे और पानी में ढूंढ़ा तो आरव डूबा हुआ मिला। उसको निकालकर तत्काल मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी लेकर पहुंचे। यहां चिकित्सक ने बालक को मृत घोषित कर दिया। बच्चे की मौत की जानकारी मिलते ही घर में चीख-पुकार मच गई। परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजन शव को बिना पोस्टमार्टम कराए ही घर ले गए और अंतिम संस्कार कर दिया।

13 साल की किशोरी संग 14 साल के लड़के ने किया दुष्कर्म बाथरूम में नहा रही थी, अचानक आ गया; पीड़िता है गर्भवती

किशोरी के पिता ने थाने में दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताया है कि गत 25 दिसंबर को उसकी बेटी (13) स्नानघर में नहा रही थी। उसी समय पड़ोस का एक किशोर घर में घुस आया और उसकी बेटी के साथ दुष्कर्म किया। यूपी के हाथपस स्थित सादाबाद थाना क्षेत्र के एक गांव में किशोरी से दुष्कर्म किए जाने की रिपोर्ट घटना के पांच माह

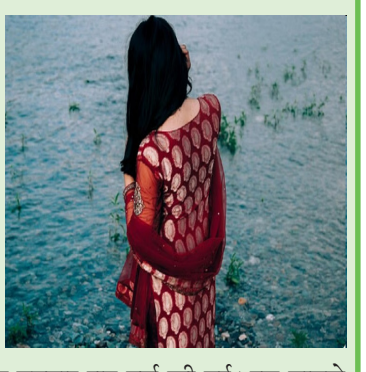

से भी ज्यादा समय के बाद गुरुवार रात दर्ज की गई। इस मामले में आरोपी भी किशोर है। किशोरी के गर्भवती होने के बाद परिजनों को घटना की जानकारी हुई।किशोरी के पिता ने थाने में दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताया है कि गत 25 दिसंबर को उसकी बेटी (13) स्नानघर में नहा रही थी। उसी समय पड़ोस का एक किशोर घर में घुस आया और उसकी बेटी के साथ दुष्कर्म किया। किशोर की उम्र भी 18 साल से कम है, उसने उनकी बेटी को धमकी दी कि वह किसी को कुछ न बताए। पीड़ित की बड़ी बहन ने जब उसे गर्भवती हालत में देखा तब, उसने अपने साथ हुए दुष्कर्म की बात बताई। सीओ हिमांशु माथुर ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। आरोपी की तलाश की जा रही है।

ईदुल अजहा हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम की सुन्नत है -मौलाना जैद शरीफ

क्षेत्र के विभिन्न स्थानों के साथ आजमपुर ईदगाह में भी पढी गयी नमाज

क्यूँ न लिखूँ सच

मऊआइमा (प्रयागराज) कुर्बानी का पर्व हजरत इब्राहीम अलैहिस्सलाम की सुन्नत है।उनकी याद में उक्त त्यौहार मनाया जाता है।यह बातें मौलाना जैद शरीफ ने बादीपुर ईदगाह में नमाज के बाद अपने खुतबे में कही। उन्होंने ने कहा कि अल्लाह ने हजरत इब्राहीम अलैहिस्सलाम से तमाम तरीके का परीक्षा लिया और वह हर इम्तिहान में सफल रहे।

मौलाना ने फ़रमाया कि कुर्बानी के बाद उसका मलबा इधर उधर न फेंकें। अन्त में मौलाना ने दुआ करायी। आजमपुर ईदगाह में मुफ्ती हबीबुर्रहमान ने मुल्क में अमन चैन की दुआ कराते हुए सभी से पर्व भाई चारे सौहार्द के साथ मनाने की अपील किए। शनिवार को सुबह क्षेत्र के हर इलाकों में ईदुल अजहा की नमाज़ अदा की गयी।इस अवसर पर शांति व्यवस्था के लिए पुलिस निरंतर गश्त करती रही।

यात्रा महोत्सव के लिए कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई तैयारी बैठक जनसहयोग से प्राप्त राशि बैंक खाते में ऑनलाईन जमा करवाने का लिया निर्णय

क्यूँ न लिखूँ सच- रमाशंकर तोमर

पन्ना। कलेक्टर सुरेश कुमार की अध्यक्षता में आगामी 11 जून से प्रारंभ होने वाले श्री जगदीश स्वामी रथयात्रा महोत्सव के संबंध में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक हुई। इसमें आयोजन समिति से जुड़े विभागों के अधिकारी और मंदिर समिति के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रतिदिन के कार्यक्रम आयोजन की कार्ययोजना एवं रूपरेखा पर चर्चा की गई। कलेक्टर श्री कुमार ने प्रतिवर्ष की भांति रथ यात्रा महोत्सव के संबंध में सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए। साथ ही उपस्थितजनों से आवश्यक सुझाव प्राप्त कर श्रद्धालुओं और आगंतुकों के लिए मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए भी कहा। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष की भांति रथयात्रा महोत्सव के आयोजन में संबंधितजन आवश्यक सहयोग प्रदान कर इसे गरिमामय बनाने में अपना योगदान दें। इस मौके पर मंदिर समिति के बैंक खाते में जनसहयोग से प्राप्त दान राशि को ऑनलाइन सीधे खाते में जमा कराने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा टाऊन हॉल में विभिन्न कार्यक्रमों से प्राप्त राशि का निर्धारित अंश भी खाते में जमा कराने के निर्देश तहसीलदार और सीएमओ को दिए। जिला कलेक्टर ने रथयात्रा महोत्सव के दौरान पन्ना नगर से जनकपुर मार्ग, मेला परिसर, रथों के विश्राम स्थल इत्यादि में पेयजल, साफ-सफाई, चलित शौचालय, सीसीटीव्ही कैमरा व प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित कराने सहित सड़क मरम्मत तथा यात्रायात व्यवस्था सुगम बनाने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा पार्किंग, मेडिकल टीम और एम्बुलेंस की तैनाती, निर्बाध विद्युत आपूर्ति सहित अन्य व्यवस्थाओं के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में मुख्य मार्ग पर दुकानों का संचालन नहीं हो। इसके अलावा खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा खाद्य प्रतिष्ठानों के नियमित निरीक्षण के लिए भी कहा। बताया गया कि 11 जून को स्नान यात्रा से महोत्सव के शुभारंभ उपरांत 26 जून को रात्रि 7:30 बजे मंदिर के पट खुलेंगे, जबकि 27 जून को शाम 06:30 बजे जगदीश स्वामी मंदिर बड़ा दिवाला से रथयात्रा प्रारंभ होगी। पांच जुलाई को रथ यात्रा वापसी उपरांत अगले दिवस सुबह 8 बजे जगदीश स्वामी मंदिर में यात्रा के प्रवेश और मूर्ति दर्शन के साथ यात्रा का समापन होगा। बैठक में पुलिस अधीक्षक साई कृष्ण एस थोटा, अपर कलेक्टर नीलाम्बर मिश्र एवं अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।।

थाना नैनी पुलिस टीम द्वारा 01 अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच

थाना नैनी पुलिस टीम द्वारा 01 अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से चोरी की 01 सीपीयू, 01 मॉनीटर, सी0सी0टी0वी0 का तार व 20 लोहे के बेंच का पावा बरामद थाना नैनी पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक 07.06.2025 को अभियुक्त अंशू कुमार पटेल पुत्र विजय कुमार पटेल निवासी चक भटाही थाना नैनी प्रयागराज को गिरफ्तार कर कब्जे से चोरी का 01 सीपीयू, 01 मॉनीटर, सी0सी0टी0वी0 का तार (करीब 20 मीटर), 20 लोहे के बेंच का पावा बरामद किया गया । उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना नैनी पर मु0अ0सं0 270/2025 धारा 305/331(4)/ 317(2) बीएनएस पंजीकृत किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है । उल्लेखनीय है कि आज दिनांक-07.06.2025 को अभियुक्त अंशू कुमार पटेल उपरोक्त द्वारा किशोरी लाल महाविद्यालय से सीपीयू, मॉनीटर, तार व लोहे की बेंच चोरी किया गया ।पूछताछ का विवरण- अभियुक्त उपरोक्त ने पूछताछ पर बताया कि मै नशा पत्ती का आदी हूं । पैसे नहीं थे, इसीलिए आज किशोरी लाल महाविद्यालय के अंदर घुसकर सीपीयू, मॉनिटर, 20 मीटर तार और 20 स्टूल के पावा चोरी कर लिया था । गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण- अंशू कुमार पटेल पुत्र विजय कुमार पटेल निवासी चक भटाही थाना नैनी प्रयागराज, उम्र करीब 24 वर्ष ।

चिल्ड्रन पार्क में संपन्न हुआ वृक्षारोपण शामिल हुए समाजसेवी

क्यूँ न लिखूँ सच- रमाशंकर तोमर

देवेंद्र नगर। विश्व पर्यावरण दिवस पर नगर परिषद देवेंद्र नगर द्वारा चिल्ड्रन पार्क में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शिवांगी ललित गुप्ता ने किया, जिनके साथ ष्टस्ह्र के. के. तिवारी , पार्षद गण एम . एस. बुंदेला, सपना यादव, अब्दुल शमी, अशोक कुशवाहा, सोनेलाल बर्मा, रामेश्वर गुप्ता, घनश्याम प्रसाद शर्मा, रमाशंकर तोमर, जितेंद्र तोमर, ललित गुप्ता, विवेक खरे, स्वच्छता ब्रांच एंबेसडर प्रगिता जैन सहित नगर परिषद कर्मचारी और नागरिक उपस्थित रहे। पौधारोपण में मध्य प्रदेश बेस्ट महासम्मेलन महिला इकाई की तहसील अध्यक्ष श्रीमती पारुल जैन व अन्य महिला सदस्य भी उपस्थित रहे सभी ने मिलकर चिल्ड्रन पार्क परिसर में विवध प्रकार के पौधे लगाए और पर्यावरण बचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष शिवांगी गुप्ता ने अपील की, कि घर परिवार कम से कम एक पौधा अवश्य लगे और उसकी देखरेख भी करें। यह भविष्य की पीडिया को देने वाला सबसे सुंदर उपहार होगा। कार्यक्रम में ऊपर से सभी लोगों ने वृक्षों की देखभाल का संकल्प लिया और हरियाली के इस अभियान को निरंतर जारी रखने का भरोसा जताया।

स्वस्थ दांत चेहरे की सुंदरता को बढ़ाते हैं इसलिए व्यक्ति को अपने दांतों के प्रति जागरूक रहना चाहिए डॉ.अजय वर्मा

क्यूँ न लिखूँ सच- राकेश गुप्ता

शामली दांत हमारे शरीर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जो भोजन को चबा चबाकर खाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है स्वस्थ दांत चेहरे की सुंदरता को भी बढ़ाते हैं इसलिए व्यक्ति को अपने दांतों के प्रति जागरूक रहना चाहिए स्वस्थ दांतों को लेकर डॉ अजय वर्मा डेंटिस्ट से बातचीत कर रहे हैं अरविंद कौशिक प्रश्न- डॉक्टर महोदय आपका शुभ नाम क्या है और आप कहां प्रेक्टिस कर रहे है?*उत्तर - मेरा नाम डॉक्टर अजय वर्मा है हनुमान रोड पर मार्केट है उसी के दांत खराब हो जाते हे और उनके पास पैसे नहीं है तो आप गरीब व्यक्ति मेरी नजर मे एक सामान है मैं बहुत काम दामों पर यहां इलाज करा सकता है इससे अलग भी लायंस क्लब विद्यार्थी भी दांतों के पीडित व्यक्ति को देखता हूं और उनका इलाज करता रखनी चाहिए?*उत्तर - दांतों को स्वस्थ रखने के लिए, रोजाना परेशानी हो तो और डेंटिस्ट से मिलना चाहिए है. *प्रश्न- नागरिको को चीनी का सेवन कम करना चहिये क्योंकि चीनी व बचना भी दांतों के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है.और व्यक्ति सोने से पहले, फ्लोराइड युक्त टूथपेस्ट से ब्रश करें. ब्रश करने के हर 3-4 महीने में बदलें.प्रश्न- खाना खाते समय दांतों में भोजन के

में एक बार अपने दांतों को फ्लॉस करें, यह दांतों के बीच फंसे भोजन और प्लाक को हटाता है.फ्लॉसिंग से मसूड़ों की बीमारी को भी रोका जा सकता है.प्रश्न- स्वस्थ दान्तो को रखने के लिए क्या फल और सब्जी खानी चाहिए?*उत्तर -स्वस्थ आहार लेना चाहिए जैसे फल,सब्जियांआदि और चीनी और मीठे पेय पदार्थों का सेवन कम करें.कैल्शियम और विटामिन डी युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें.हर छह महीने में डेंटिस्ट से दांतों की जांच करवाएं. यदि आप दांतों में दर्द या कोई अन्य समस्या महसूस करें, तो तुरंत डेंटिस्ट से संपर्क करें. प्रश्न- धूम्रपान दांतों पर क्या प्रभाव डालता है? उत्तर-धूम्रपान करने से दांतों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है.धूम्रपान करने से मसूड़ों की बीमारी और दांतों की सड़न का खतरा बढ़ जाता है इसलिए व्यक्ति को धूम्रपान नहीं करना चाहिए व्यक्ति पानी खूब पिएं, जिससे प्लाक और भोजन के कण दांतों से धो दिए जाते हैं.हल्के या गरम पदार्थों का सेवन सीमित करें. तेल खींचने (oil pulling) की तकनीक का उपयोग करें, जिससे दांतों को साफ करने में मदद मिल सकती है. दांतों की सफाई के लिए प्राकृतिक उत्पादों का उपयोग करें, जैसे कि संतरे के छिलके का पेस्ट.आयुर्वेदिक मंजन का उपयोग करें, जैसे कि नीबू रस, नमक, और तेल का मिश्रण.यदि आप दांतों की सड़न से पीड़ित हैं, तो तुरंत डेंटिस्ट से संपर्क करें.दांतों की देखभाल के लिए इन सभी उपायों को अपनाकर आप अपने दांतों को स्वस्थ रख सकते हैं

संक्षिप्त समाचार

दो अलग अलग स्थानों पर वाहन दुर्घटना में दो गंभीर रेफर

क्यूँ न लिखूँ सच

मऊआइमा (प्रयागराज) मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम सुल्तानपुर खास में दो वाहन दुर्घटना में एक बाइक सवार बुरी तरह ज़ख्मी होकर बेहोश हो गया।जिसे स्वरूप रानी अस्पताल में एम्बुलेंस ने भर्ती भर्ती कराया गया है बताया गया है कि उक्त बाइक सवार अत्यंत गंभीर होने से अपना नाम पता नहीं बता पा रहा है। बताया गया है कि जिस वाहन से टक्कर हुई वह भाग निकलता।एक अन्य वाहन दुर्घटना में ग्राम जोगापुर निवासी रमेश कुमार पटेल 45 वर्ष पुत्र राम बहादुर बुरी तरह ज़ख्मी हो गया है।जिसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र द्वारा रेफर कर दिया गया है।

किशोरी को अपहरण कर ले जाने का आरोप मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच

मऊआइमा (प्रयागराज) एक व्यक्ति ने एक युवक पर बेटी का अपहरण कर ले जाने का आरोप लगाते हुए अपहरण का मुकदमा दर्ज करा दिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम अलावलपुर निवासी एक व्यक्ति का आरोप है कि एक युवक प्राय: उसके गांव आता जाता था।तथा उसकी पुत्री को अपने प्रेम जाल में फंसाकर लेकर भाग गया। व्यक्ति ने मऊआइमा थाने में आरोपी युवक अंकेश उर्फ कन्हैयालाल पुत्र कृष्ण कुमार नन्दा का पूरा कटरा गुलाब सिंह थाना जेठवारा प्रतापगढ़ के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

भाजपा नेता व चार अन्य के खिलाफ एससी एसटी में 21महीने बाद मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच

मऊआइमा।मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम छाता निवासी राज कुमार पुत्र स्वर्गीय राम अधार का आरोप है कि उसे सरे बाजार जाति सूचक गालियां दी गई और जान से मारने की धमकी दी गई।राज कुमार की तहरीर पर मऊआइमा पुलिस ने दिवाकर मिश्रा, विनीत कुमार, विकास, विजय के खिलाफ एससी एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर प्रकरण की जांच कर रही है।

मनीषा पटेल की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रयागराज के सोरांव थाना अंतर्गत ग्राम सभा अब दयालपुर खास के(पकडीतर)मोहल्ला निवासिनी मनीषा पटेल का संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई जिसका पुलिस के द्वारा पीड़ित माँ के एप्लीकेशन देने के बाद भी न ही पक्षियों के खिलाफ कोई कार्रवाई की गई और ना ही लाश को खुदवा कर पोस्टमार्टम कराया गया सवाल यह भी उठना है जब योगी सरकार कहती हैं कि गंगा किनारे कहीं लाश नहीं गाड़ी जाएगी तो लोगों ने कैसे थाना नवाबगंज अंतर्गत कुरेसार घाट पर लाश को दफन करते हैं और जिसकी सूचना सुबह में 5-00 बजे ही थाना अध्यक्ष सोरांव को दी गई तो आखिर लाश कैसे दफना दी गई पुलिस प्रशासन पर सवालिया निशान पीड़ित परिवार का आरोप क्षेत्रीय सांसद में फोन करके थाने से विपक्षी को छुड़ाया अब सवाल उठता है भारतीय जनता पार्टी की सरकार का स्लोगन बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा केवल मंच तक ही सीमित है या फिर अधिकारी भी उसे पर अमल करते हैं

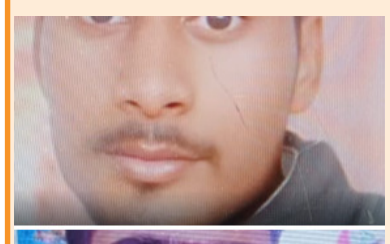

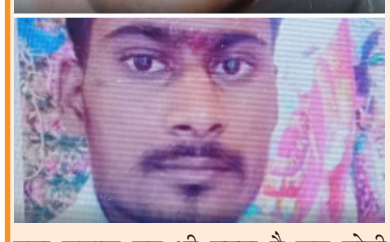

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

These vegetables grow easily in the balcony of the house, the pleasure of eating them is different

Vegetables grown in small pots in the balcony garden not only make the house green but are also a source of fresh and nutritious food. You can easily grow many vegetables at home. It does not take much effort to grow them and they can be with regular water and nutritious soil. If you have a Nia and spinach can be grown easily. It requires then you can also grow some vegetables for fresh keep your balcony garden green as well as make your vegetables, which you can easily grow in your let's know- Coriander - Mash the soaked coriander soil. It needs good morning sunlight and water. regularly. Coriander is ready in 2-3 weeks. Cutting be grown in a deep pot as it has deep roots. It needs and water them regularly. You can get fresh spinach grown in small pots or grow bags. It needs at least 6 drainage. Water regularly and do not let the roots do not like too much heat. So keep it in direct In 2-3 months you start getting fresh chillies. for 12 hours before sowing. After sowing, it needs at and sow the seeds by pressing them lightly. Fresh

grown well even with less care. These vegetables get good yield small balcony garden, then you can grow many types of vegetables. proper sunlight and moisture. If you have a small balcony garden, and healthy food. Especially small and easy to grow vegetables food nutritious. Here is information about some such small balcony garden and the right way to grow them is also given. So seeds lightly and cut them into two pieces and then sow them in the Choose pots with good drainage for coriander and water them it regularly keeps you getting fresh leaves. Spinach Spinach should light shade and moisture. Sow the seeds at a depth of 1-2 inches leaves in 4-6 weeks. Cherry Tomatoes - Cherry tomatoes can be hours of sunlight. The soil in the pot should be light and have good dry out. Chilli pepper plants love sunlight and heat, but they also sunlight. After sowing the seeds properly, maintain light moisture. Fenugreek- Fenugreek can be sown in small pots. Soak it in water least 3-4 hours of sunlight a day. Maintain light moisture in its soil leaves are ready in about 20-25 days. Gun- Small plants of brinjal can be grown in large pots in the balcony garden. It needs 6 to 8 hours of sunlight and the soil has to be kept rich in nutrients. Its seeds are sown in the soil at a depth of 3–4 inches. Water it regularly and use a stick to support the plants. Fresh brinjals start coming in 3-4 months. With the right care and attention in your balcony garden, you can easily grow these vegetables and enjoy fresh and chemical-free food at home.

Varan Bhaat is very popular in Maharashtra, if you haven't tasted it yet, then note down this recipe

In Maharashtra, dal rice is prepared in a special way. One of them is Varan Bhaat. It is very tasty to eat. It is also beneficial for health. It is very easy to prepare. You can serve it with hot rice by adding ghee. India is called a country of the other hand, this country is also some specialty. Whether it is a tourist place country and abroad gather to enjoy them. Gujarat and Rajasthan are taken first. While rumali roti and warki paratha and rotis are basundi and ghughra are eaten with great bati churma, gatta ki sabzi, red meat, ker These dishes are eaten a lot in Maharashtra, for its unique and delicious dishes. Generally, vangi, zunka bhakri, dal khichdi, kanda one thing is dal rice, which is eaten in every in Maharashtrian style, although in way. In such a situation, if you are also bored making dal in Maharashtrian style. This dal seasoning and taste. It is not only tasty but known as Varan Bhaat. This simple dish Maharashtra. It is light to eat and full of

diversity. Here you will find many places to visit, on unmatched in terms of food. Every state of India has or a special food tradition, a crowd of people from the Whenever there is talk of food, the names of UP, biryani, kabab, korma, kulcha, sheermal, jarda, famous in UP, dhokla, khandvi, thepla, undhiyu, fondness in Gujarat. Apart from this, Rajasthan's dal sangri and mirchi vada are famous all over the world. Maharashtra is also one of them. This state is known pav bhaji, vada pav, misal pav, puran poli, bharli poha and modak are liked a lot in Maharashtra, but state. It also benefits health in many ways. Make dal Maharashtra dal rice is served in a slightly different of eating the same dal every day, then this time try of Maharashtra is known for its special spices, also healthy. Yes, you can eat it with plain rice. It is made of tur dal and rice is the life of people's homes in nutrition. ,How to make Varan Bhaat? ,To make Varan Bhaat, put tur dal, tomato, cumin, onion, oil, green chilli, salt and water as per requirement in the cooker. ,Now mix them well. Cook it till three whistles come. If the dal remains raw then you can give one or two more whistles. While the dal is cooking, prepare a special masala for i . ,Mix grated coconut, chopped onion, garlic, coriander leaves, green chillies and coriander-turmeric powder and blend them. ,When the dal is cooked, add this mixture to it. ,After this, let it cook for two more minutes. ,Now serve it with hot rice. Do not forget to pour ghee on top. Its taste is absolutely amazing. ,If you try this recipe once, you will feel like making it again and again.

There are 4 beautiful Hill Stations near Ahmedabad, visit them this summer; the fun will double

Everyone goes for a trip in summer. Usually people go to Shimla-Manali. You can also enjoy Hill Stations in Gujarat. Hill stations are a favorite place for tourists in summer. Usually people like to go to Shimla Manali in Gujarat too. You can spend your vacation memorable. going for a trip increases in favorite place to get relief from cold winds here give peace to Whenever there is talk of Shimla-Manali or Nainital there are many Hill Stations is also worth seeing. If you are come to Gujarat. There are your mind. These hilly areas a different kind of peace after distance from Ahmedabad. Pavagadh Hill Station This hill kilometers from Ahmedabad. come from far and wide to mountains and greenery. This can go here to visit with family, of Saputara Hills, located at a seeing. The beauty of this Here you can enjoy the lake. The crowd of tourists

and Mussoorie, but there are many hill stations summer holidays here. This place will make Let's know in detail - The number of people summer. Usually Hill Stations are people's this scorching heat. The calm atmosphere and the mind. You are filled with freshness. going to the mountains, people like to go to and Mussoorie. However, apart from all these, where the fun of visiting doubles. Their beauty planning to go to a new place this time, then many hill stations here too which will captivate are very beautiful and peaceful. You will feel coming here. These are situated at a short Let us know about those places in detail - station is situated at a distance of 151 The beauty here is worth seeing. Tourists visit this place. Here you will get to see high place is present in Panchmahal, Gujarat. You friend or partner. Saputara Hills: The beauty distance of 397 km from Ahmedabad, is worth place increases even more during monsoon. beautiful views of picturesque forests, hills and increases here during monsoon. Its special thing is that you can also enjoy adventure sports here. Don Hill Station Don Hill Station is situated 394 km away from Ahmedabad. Here you will get to see many things related to the tribal era. You can also enjoy trekking here. Apart from this, the waterfalls present here will captivate your mind. Wilson Hills - It is counted as one of the unique hill stations in the world. You can also see the beautiful view of the sea from here. You can also go to Sunset Point here. Apart from this, many waterfalls are also a center of attraction. The distance of this hill station from Ahmedabad is 363 kilometers. It is situated at an altitude of two and a half thousand feet.

Sunil Dutt was a bus conductor, his luck shone overnight with the superhit film that went to Oscar

Sunil Dutt, a veteran actor of Hindi cinema, ruled the big screen for five decades. But he has faced a lot of struggle before and after entering the film world. How did he become a Bollywood star from a bus conductor? Know about him. Sunil Dutt got popularity from Mother India Sunil Dutt used to be a bus conductor earlier. He went bankrupt due to the failure of a film. The actor says that a stone is carved a lot before it becomes a diamond. The same is the case with actors. Many actors had to go through a struggle-filled journey before coming to cinema. But with his ability, he shone in such a way that no one could take his place. Sunil Dutt is also one of them. Sunil Dutt has given five decades to cinema and has won the hearts of the audience with his brilliant acting in more than 80 films. When he came to films, he left a different mark on the big screen with his charming look. His style was different. Brilliant acting along with handsome personality works like icing on the cake. But you hardly know that before getting stardom in films, he has done many small jobs for money. He had also been a bus conductor. Sunil Dutt was a bus conductor - Born on 6 June 1929, Sunil Dutt was very young when his father died. After his father's death, he came to Lucknow from Pakistan with his mother and then came to Mumbai. Along with studying, he earned money by doing small jobs. Once he revealed in an interview that he worked as a bus conductor after completing college. He has also worked as a radio jockey. This film changed his luck - Sunil Dutt's journey in the film world started during his time as a radio jockey. Once Ramesh Sehgal was so impressed with his voice that he decided to launch him in the movie Railway Platform. After this he worked in films like Ek Hi Raasta, Gumraah and Sadhna. The actor got his real identity from Nargis Dutt's Mother India movie. This movie was also nominated for Oscar. Sunil Dutt had gone bankrupt - Sunil Dutt shone so brightly after Mother India that he gave cinema one hit after another. But then he rose above acting and started focusing on filmmaking. It was the 60s, Sunil Dutt was producing the movie Reshma Aur Shera. He had also directed this movie. This movie was a huge flop. After the failure of this movie, the actor had gone bankrupt. He had sold all his cars except one. The house was also mortgaged. However, he did not give up and again strengthened his hold in cinema and became financially strong.

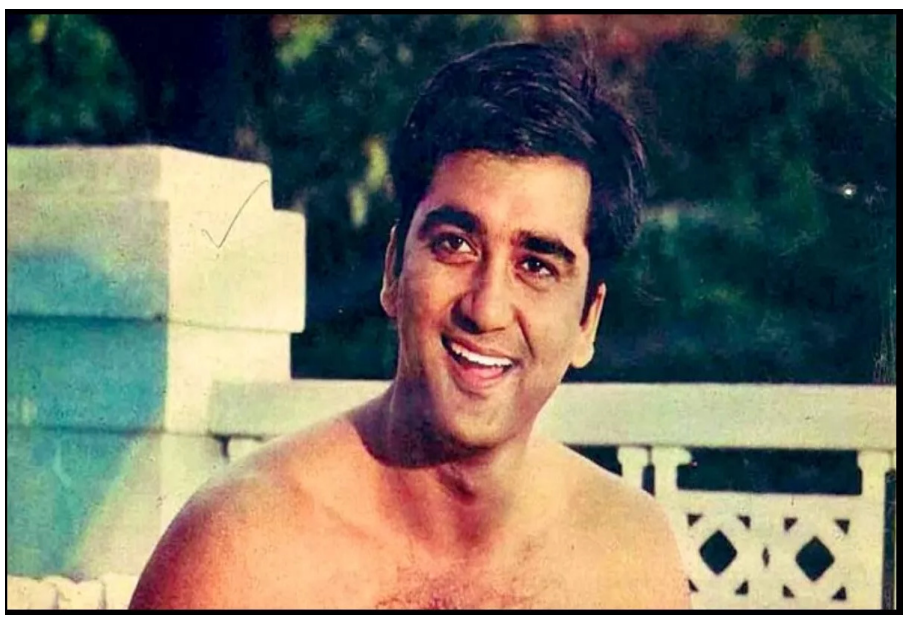

The episode titles of this hit series of 2018 are inspired by old songs, it has got a rating of 8.2 on IMDb

In the era of OTT, everyone likes to entertain themselves sitting at home. Along with new series and films, some old series are also discussed a lot among the people. Today we are talking about a series whose first season was released in the year 2018. The titles of each of its episodes are similar to hit songs. This hit series of 2018 got a lot of love The titles of the series are named after the songs Till now two seasons have been released OTT lovers wait for new series and films every week. These days some most awaited web series are continuously knocking on OTT. Still, some old series are often mentioned among the people. Today we are talking about such a hit series, the title of each episode of which matches the name of the hit songs of the 80s. Not only this, the dialogues and actors of this series also became quite viral. Let's know about it in detail. The series we are talking about here is a crime thriller and its two seasons have been released. Its first season was released in the year 2018 and both its parts have a total of 23 episodes. It is usually seen that the makers keep the title of the series or film very thoughtfully. The title of the episode of the web series is also kept after consideration, because it defines the theme of the entire episode. The first season of the Abduction series was a hit The name of Abduction is definitely included in the list of the selected best series of OTT. Its first season was released on MX Player. Although both parts of the series proved to be a hit, but after watching the first part, people felt some new content. Another feature of the first season is that the title of all the episodes of its first season was taken from hit songs. If you have watched the series carefully, then you will also get an idea of ??this immediately. Title of episodes of Abduction Season 1 - Abduction series is much discussed among the lovers of watching web series. Its name is also included in the list of those series on which a lot of memes are also made. The dialogues used in the film do not seem unnecessary at all. Let us know the name of the title of each episode of this. Episodes of the web series Episode title 1 Ek Haseena Thi, Ek Deewana Tha 2 Ek Hi Bhool 3 Le Jayenge Le Jayenge 4 The Whole Thing Is That Bhaiya The Biggest Rupee 5 Everybody Will Lose in the Game of Ransom 6 Dekha Ek Khwaab To Ye Silsile Hue 7 Ye Ye Ye Fansa 8 Gumnaam Hai Koi 9 Kati Patang 10 Aaj Kal Mere Pyar Ke Charche 11 Chahe Mujhe Koi Junglee Kahe 12 Pyaar Mein Dil Par Maar De Goli IMDb rating of the abduction series Whether it is a film or a series, their popularity is judged by the rating. The work of actors like Yuvraj Singh, Nidhi Singh and Arunoday Singh was well liked in the series. At the same time, Siddharth Sengupta's direction was also praised. Talking about ratings, the web series has been given a rating of 8.2 on IMDb.

AI is being used in music, but it doesn't have that feel; Know the opinion of Special Ops composer Advait Nemlekar

For Advait Nemlekar, who has composed music for Special Ops and Aashram web series, the challenges have increased for Special Ops 2. He says that every operation in this show has a theme. The first season is always difficult, because then you are deciding how the music is going to be used, what will be the signature tune, which instruments will be used. Special Ops also has a theme, it should be heard with a new twist in the next season. When new characters join the show, new themes have to be created for them as well. Is there freedom in terms of music on the digital platform as well? On this, Advait says that the director gives you that freedom. In films, it happens that big directors mostly work with those with whom they have been working for years. On OTT, the same directors are working with a new and young team. However, director Neeraj Pandey gives creative freedom. Songs are being made with the help of AI- Regarding following a trend in music, Advait says that whatever is made, it should sound good to the ears. People of all ages should like it and should be consistent with the story. The music world has also changed with time. Earlier live recordings were done, then computers came, today is the era of Artificial Intelligence (AI). Although you can use AI as a tool, a good song is made with real instruments only. Music should be such that it sounds good. This aspect of music has never changed. Has worked with these singers- Apart from this, Advait has also composed music for many TV series like All About Section 377 (2016), I Don't Watch TV (2016). Advait is the winner of the prestigious Dadasaheb Phalke Award for Best Music Director, he is a composer and music producer. He has worked with famous artists like Shankar Mahadevan, Sukhwinder Singh, Usha Uthup, Javed Ali, Harshdeep Kaur. Advait Nemlekar is a well-known film score composer and music director. He has worked mainly in Bollywood but he is also known for his work in Gujarati cinema. The singer has composed many memorable music. The singer said that nowadays music is being composed with the help of AI but it does not have that charm.